RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, सोमवार ●22 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 354 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

● पाकिस्तानी पिस्तौल और चीनी ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले के हरि बुद्ध इलाके के एक स्कूल से आतंकी के मददगार शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आतंकी का मदद करने वाला कमरुद्दीन स्कूल का हेडमास्टर है। उसके पास से एक पाकिस्तानी पिस्तौल और 2 चीनी ग्रेनेड मिले हैं। पुलिस ने कहा- सूचना मिलने पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। कमरुद्दीन के ठिकानों पर कई जवान एक साथ पहुंचे। हमें आशंका है कि लोकसभा चुनाव से पहले इलाके में अंशाति फैलाने के लिए कुछ प्लानिंग की जा रही थी। मीडिया

रिपोर्ट्स के मुताबिक जम्मू-कश्मीर पुलिस को पहले से ही हेड मास्टर पर शक था, लेकिन सबूत न होने की वजह से कार्रवाई नहीं की गई थी। करीब दो महीने से जम्मू-कश्मीर पुलिस हेड मास्टर की हर एक्टिविटी पर नजर रख रही थी। पुलिस को शक है कि राजौरी-पुंछ में पिछले दिनों हुई आतंकी घटनाओं में कमरुद्दीन का हाथ था। जम्मू-कश्मीर में चुनावों से पहले माहौल बिगाड़ने और आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन साजिश रच रहे हैं। इस मंसूबे को लेकर लश्कर-ए-तैयबा कमांडर जुनैद अहमद बट कुलगाम में छिपा है।

हुबली मर्डर केस को सही ठहराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

● सोशल मीडिया पर लिखा था-जस्टिस फॉर लव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में शनिवार को नेहा की हत्या को सही ठहराने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि नेहा और फयाज रिश्ते में थे। दोनों की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा था- नेहा-फयाज टू लव, जस्टिस फॉर लव। दोनों आरोपियों की खिलाफ कुछ हिंदूवादी लोगों ने शिकायत दर्ज करवाई थी। उधर, आरोपी फैयाज खोंडुनाईक की मां ने पीड़ित परिवार और राज्य के लोगों से माफी मांगी है। पेशे से टीचर आरोपी की मां ममताज ने कहा कि नेहा के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। वह अच्छी लड़की थी। उन्होंने आगे कहा कि मेरे बेटे ने जो किया, उससे हमारा सिर शर्म से झुक गया है। उसने बहुत

बड़ी गलती की है। उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। हालांकि, ममताज ने लव-जिहाद के दावों से इनकार किया। ममताज ने कहा- फैयाज और नेहा एक दूसरे से प्यार करते थे। मुझे एक साल पहले दोनों के रिश्ते के बारे में पता चला था। दोनों शादी करना चाहते थे। मेरे बेटे ने मुझे नेहा के बारे में बताया था। तब मैंने पहले उसे अपने करियर पर ध्यान देने को कहा था। फैयाज खोंडुनाईक ने 18 अप्रैल को हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। नेहा कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी थी। वह बीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। फैयाज उसका पूर्व क्लासमेट था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। फैयाज ने पूछताछ के दौरान बताया कि नेहा उसके साथ रिलेशनशिप में थी। कुछ दिनों से अचानक वह उससे दूर रहने लगी थी। इसलिए उसने घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरे कर्नाटक में आक्रोश देखा गया। कई संगठनों ने नेहा की हत्या के विरोध में जगह-जगह प्रदर्शन किए। आरोपी को फांसी देने की मांग की जा रही है।

धर्मयात्रा विशेष

बड़ी दिलचस्प है इसकी कहानी, विज्ञान तक नहीं सुलझा पाया रहस्य

शिव का वो मंदिर जिसे एक रात में भूतों ने बनाया

मुरैना (एजेंसी)। विभिन्न धर्मों का संगम कही जाने वाले धरती पर एक से बढ़कर एक कलात्मक मंदिर हैं। इनकी सुंदरता का कोई तोड़ नहीं हैं। हजारों साल पुराने मंदिरों की खूबसूरती को देखकर भारत के विशाल इतिहास का अंदाजा लगाया जा सकता है। पौराणिक कथाओं में हमने मंदिरों के रहस्यों के बारे में सुना है। कई रहस्यों को तो विज्ञान सुलझा देता है, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं, जिनके बारे में कोई कुछ नहीं जानता, बस यकीन किया जा सकता है। आज हम आपको भारत के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यों से भरा है। हम बात कर रहे हैं ककनमठ मंदिर की। यह

मंदिर भले ही दुनिया के 7 अजूबों में शुमार न हो, लेकिन ये एक ऐसा मंदिर है, जिसके बारे में जानने के बाद हर कोई इसे देखना चाहता है। इसे भूतों का मंदिर भी कहते हैं। इस रहस्यमयी मंदिर का इतिहास बहुत दिलचस्प है। कई लोगों का मानना है कि ककनमठ मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था। बताया जाता है कि उस समय इसे कछवाहा वंश के राजा कीर्ति ने अपनी पत्नी के लिए बनवाया था। कई लोग तो यह भी मानते हैं कि राजा कीर्ति की पत्नी ककनावती भगवान शिव की बड़ी भक्त थी। आसपास कोई शिव मंदिर न होने के कारण उन्हें यहां शिव मंदिर बनवाना पड़ा।

हालांकि, आज मंदिर थोड़ी खंडहर अवस्था में है। इस मंदिर में आपको मूर्तियां नजर आएंगी, लेकिन टूटी हालत में। जर्जर हो चुकी इन मूर्तियों के अवशेष ग्वालियर के एक संग्रहालय में संग्रहित किए गए हैं। अच्छी बात तो यह है कि इस अवस्था में होने के बाद भी यहां लोग दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर को देखने पर ऐसा लगता है कि बस ये गिरने वाला है लेकिन हजारों वर्षों से मंदिर वैसा ही खड़ा है। कई वैज्ञानिक इस मंदिर का निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन पता नहीं चल पाया है कि आखिर इस मंदिर का निर्माण हुआ कैसे। आपको बता दें कि मंदिर मध्य प्रदेश का अजूबा कहलाता है।

कांग्रेस की नीयत ही नहीं रही कि लोगों को पानी मिले: पीएम

● राजस्थान के जालोर में मोदी का कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला

● कहा-देश का युवा दोबारा इस पार्टी का मुंह नहीं देखना चाहता

जालोर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस के इतने हाल खराब हैं भाइयों। अब देखिए कांग्रेस ने देश पर 60 साल तक राज किया। इसी कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, घरेलू गैस, बिजली-पानी, बैंक अकाउंट जैसी छोटी-छोटी चीजों के लिए तरसाया। इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा देश कांग्रेस को दे रहा है। देश का युवा इतने गुस्से में है कि वो दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता। कांग्रेस की कभी नीयत नहीं रही कि किसानों को पानी मिले। उनके जीवन का सबसे बड़ा संकट समाप्त हो। इसका एक उदाहरण है, सालगांव बांध परियोजना, जो कांग्रेस ने पूरी नहीं की।

मोदी बोले- मैं मेरे लिए भी वोट मांगने आया हूं

सभा में मोदी बोले-लुंबाराम को वोट मतलब मोदी को मजबूत बनाने की गारंटी। आपके एक-एक वोट से मोदी की ताकत बढ़ेगी, मोदी को काम तेज करने की ताकत मिलेगी। देश को विकसित बनाना और राजस्थान को विकसित बनाने के काम करने में और आसानी होगी। आज मैं सिर्फ लुंबारामजी के लिए वोट मांगने आया हूं ऐसा नहीं है, आज मैं मेरे लिए भी वोट मांगने आया हूं। मैं जब से राजस्थान में आना शुरू किया, कोई भी ऐसा समय नहीं, जब मैंने पानी के विषय में सुना न हो।

प्रदेश में धूमधाम से मनी भगवान महावीर की जयंती

सिंधिया ने गुना में की भगवान महावीर की आरती

● विदिशा में शिवराज की पत्नी साधना सिंह पंडाल में बैठीं

● इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय ने जुलूस को दिखाई हरी झंडी

भोपाल। भगवान महावीर का जन्मकल्याणक महोत्सव रविवार को पूरे प्रदेश के जिनालयों में मनाया गया। भगवान चांदी के रथ में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव जैन समाज के जुलूस में शामिल हुए। गुना में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शोभायात्रा में भगवान महावीर की आरती की। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह के साथ विदिशा में जैन समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां साधना महिलाओं के साथ पंडाल में जमीन पर बैठी नजर आईं। इंदौर में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर मंगल जुलूस को रवाना किया। रतलाम में श्रीजी को बैलगाड़ी पर बैठाया गया। उज्जैन में महिलाएं थीम पर

शोभायात्रा में शामिल हुईं। कुछ महिलाएं हाथों में डांडिया तो कुछ रंग-बिरंगी छतरियां लिए थीं। इंदौर में राजबाड़ा से मंगल जुलूस निकाला गया। जिसे नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सूरत में कांग्रेस कैंडीडेट नीलेश कुंभाणी का नामांकन रद्द

● फॉर्म में चारों गवाहों के हस्ताक्षर में थी गड़बड़ी

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में कांग्रेस कैंडीडेट नीलेश कुंभाणी का नामांकन फॉर्म रद्द कर दिया गया है। उनके पर्चे में गवाहों के हस्ताक्षर में गड़बड़ी थी। डीईओ सौरभ पारधी ने शनिवार को इस मामले में स्पष्टीकरण मांगते हुए कुंभाणी से को रविवार सुबह 11 बजे तक का समय दिया था। नामांकन पत्र रद्द करने को लेकर आज कलेक्टर और चुनाव अधिकार के समक्ष सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान फॉर्म पर हस्ताक्षर करने वाले चारों गवाह भी नदारद थे। इसके चलते आखिरकार चुनाव अधिकारी ने नीलेश कुंभाणी का फॉर्म रद्द कर दिया। नीलेश कुंभाणी के डमी कैंडीडेट के तौर पर सुरेशभाई पडसाला ने भी फॉर्म भरा है। अब कांग्रेस की ओर से पडसाला चुनाव लड़ेंगे।

सतना की रैली में नहीं पहुंच पाए राहुल, खड़गे ने संभाली कमान

खड़गे बोले-राहुल गांधी बीमार, फूड पॉइजनिंग की है शिकायत

कहा-महंगाई और बेरोजगारी से सिर्फ मोदी खुश, गरीब मर रहे हैं

सतना (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मैं कई जगह घूमा। जहां भी गया, वहां लोगों के प्रमुख मुद्दे महंगाई-बेरोजगारी हैं। महंगाई गरीबों की कमर तोड़ रही है। जान ले रही है। कोई खुश नहीं है। एक ही आदमी मोदी खुश है। लोग गरीबी में रहें, उनको खाना न मिले, उनकी आमदनी न बढ़े, यही मोदी का मेन मकसद है। उनका स्लोगन है- सबका साथ, सबका विकास, बाकी लोगों को सत्यानाश। खड़गे कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी का दौरा कैंसिल होने के बाद सतना में सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। बीटीआई मैदान में उन्होंने कहा, मैं माफी चाहता हूं कि राहुल नहीं आ सके। उन्हें फूड पॉइजनिंग हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे सतना जाना था। अब अगर इसकी भरपाई कोई कर सकता है तो आप ही कर सकते हैं। पूर्व में तय कार्यक्रम के मुताबिक, सतना में राहुल कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा डब्बू के समर्थन में आम सभा लेने वाले थे। सतना में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। पं. जवाहरलाल नेहरू ने 16-17 साल हुकूमत की। उनकी पंचवर्षीय योजना में आपको सब काम दिखेंगे।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में मारा गया एक नक्सली, शव बरामद

● बीजापुर के भैरमगढ़ इलाके में एनकाउंटर, बस्तर में पिछले 3 महीने में 80 माओवादी ढेर

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच रविवार सुबह मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है, जिसका शव भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने मौके से हथियार समेत विस्फोटक सामान बरामद कर लिया है। मुठभेड़ खत्म हो गई है। बस्तर में चुनाव खत्म होने के बाद जवान एक बार फिर भैरमगढ़ केशकुतुल इलाके में सर्च ऑपरेशन पर निकले हुए थे। यहां नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना थी। जैसे ही जवान माओवादियों के कोर इलाके में पहुंचे तो नक्सलियों ने फायर खोल दिया। जिसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाला और गोलियों का जवाब दिया। पिछले तीन महीने में बस्तर के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ में पुलिस फोर्स ने अब तक कुल 80 माओवादियों को ढेर कर दिया है। इनमें 16 अप्रैल को 29 नक्सली सिर्फ कांकेर में ही मारे गए। इन पर लाखों रुपए का इनाम भी घोषित था।

भगवा रंग पर आपत्ति तो अपने झंडे से हटाएं

● सीएम बोले-कांग्रेस की सोच पर शर्म आती है ● कांग्रेस ने दिया जवाब, कहा-मुद्दों पर बात करें

भोपाल। प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। भोपाल में महावीर जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भगवा रंग से इतनी आपत्ति है तो अपने झंडे में से भगवा रंग हटा दें। सीएम ने कहा- कांग्रेस और वामपंथी सोच पर शर्म भी आती है, हंसी भी आती है और नाराजगी भी है। भगवा रंग के ऊपर कांग्रेस को आपत्ति है। कांग्रेस चाहती क्या है। वामपंथी और विरोधी दल को ये समझ नहीं आता कि भगवा हमारा त्याग, वैराग्य का प्रतीक है, सूर्य संस्कृति के वाहक हैं। दूरदर्शन के लोगो पर सफेद की जगह नारंगी कलर, भगवा कलर आया है। ये तो त्याग का प्रतीक है। मैं उम्मीद करता हूं कि कांग्रेस अपने बोले गए शब्दों के लिए माफी मांगेगी। सीएम ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के अग्निवीर योजना बंद करने के बयान पर कहा कि कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी की सोच ही देश के लिए बड़ी ही चिंताजनक है। वे सदैव सेना के पराक्रम पर प्रश्न उठाते हैं। अग्निवीर योजना पर प्रश्न उठाते हैं। जो उनकी सोच है, वह हमेशा देश को दुर्भाग्यपूर्ण व्यवस्था में ले जाती है। उम्मीद करता हूं। मध्यप्रदेश में आकर के वह अपनी भूल सुधार करेंगे।

नरोत्तम बोले-जर्जर नेताओं के सहारे खड़ी कांग्रेस की हेरिटेज इमारत

भोपाल। लोकसभा चुनाव के बीच एमपी में कांग्रेस के नेता लगातार पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस में मची भगदड़ को लेकर मप्र के पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को भोपाल में कहा- कुछ बुजुर्ग और जर्जर नेताओं के सहारे कांग्रेस की इमारत खड़ी है। कांग्रेस अब हेरिटेज इमारत की तरह हो गई है। जिसमें रहना कोई नहीं चाहता। उस बिल्डिंग की स्थिति ऐसी है कि वो अब किसी को पनाह भी नहीं दे सकते। आज वहां पर भगदड़ के हालात हैं। चार लाख से अधिक लोग मप्र में बूथ स्तर पर कांग्रेस को छोड़ चुके हैं। तब जनता का विश्वास, यहां तक कि कांग्रेस के नेताओं का विश्वास कांग्रेस पर नहीं रहा है। सभी मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत जिस स्वर्णिम भारत की कल्पना की है। उसी विकास की मुख्यधारा में सभी रहना चाहते हैं। नरोत्तम मिश्रा के बयान पर मप्र कांग्रेस के प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने कहा- बीजेपी में नरोत्तम जी के हालात बहुत बुरे हैं।

पिछड़ा विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू-तेजस्वी बैठे हैं

कटिहार में शाह बोले-पीएम ने परिवारवाद खत्म किया

जनता से कहा-विपक्ष के साथ गए तो अत्याचार मिलेगा

कटिहार (एजेंसी)। कटिहार में अमित शाह की जनसभा हुई। मंच से शाह ने लालू यादव और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम ने परिवारवाद खत्म किया। देश को सुरक्षित किया, आतंक को खत्म किया। इंडी गठबंधन के लोग कहते हैं बिहार-राजस्थान को कश्मीर से क्या मतलब। कश्मीर हमारा है। लालू की लालटेन और पंजे के साथ जाएंगे तो अत्याचार, दंगा मिलेगा। कमल के साथ आएंगे तो डबल इंजन की सरकार खुशहाली आएगी। अमित शाह ने अपने16 मिनट के भाषण में उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां भी गिनवाई। शाह ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले बिहार को लालटेन युग में ले जाना चाहते हैं। जबकि नीतिश जी ने घर-घर बिजली पहुंचाई। वहीं सीएम नीतिश कुमार ने कहा कि बिहार में पहले कांग्रेस का राज फिर 15 साल पति-पत्नी का राज। दो बार इन लोगों को हमने मौका भी दिया, लेकिन गड़बड़ किए तो हटा दिया।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, सोमवार 22 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त समाचार

12 आरोपियों को जिला बदर करने के आदेश जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर कुल 12 आरोपियों को 6 - 6 माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। इन आरोपियों पर जिले के पुलिस थानों में विभिन्न अपराधों में प्रकरण दर्ज हैं। जिन 12 आरोपियों को जिला बदर किया गया है, उनमें कन्हैया लाल कतिया निवासी बमनगांव, चंदर नाथूराम कोरकू निवासी रिछारिया, शाकिर पिता जफर खान निवासी खरकिया, ओमकार दारासिंह कुचबंदिया निवासी खिरकिया, राजेश गोविंदराम सारण निवासी मांदला, हरिओम करण सिंह मीणा निवासी ढोलगांव, राकेश रामदीन बलाई निवासी खिरकिया, दिलीप राम भरोसा कतिया निवासी खिरकिया, मनीराम सुता इवने निवासी कुंभीखेड़ा, राजेश उर्फ राजू धन्ना लाल जाट निवासी अजनास, प्रीतम विजय कुचबंदिया निवासी खिरकिया तथा आरिफ अतीक मंसूरी निवासी उड़ा शामिल है। जिला बदर की 6 माह की अवधि में ये आरोपी न केवल हरदा जिले की सीमा में, साथ ही पड़ोसी जिले खंडवा, नर्मदापुरम, बैतूल, सीहोर और देवास जिलों की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

मतदाता जागरूकता के लिए बनाई जाएगी मानव श्रृंखला

सीहोर (निप्र)। लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला मुख्यालय सीहोर में 24 अप्रैल को बृहद मानव श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। बृहद मानव श्रृंखला का आयोजन स्थानीय आवासीय खेलकूद संस्थान से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख स्थानों पर मानव श्रृंखला बनाई जाएगी तथा मतदाता जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने सभी संबंधित अधिकारियों का वृहद स्तर पर मानव श्रृंखला की आयोजन के लिए सभी तैयारियों के निर्देश दिए हैं। शहर के पीजी कॉलेज, कलेक्ट्रेट, टाउन हॉल के सामने, बस स्टैंड, कोतवाली चौराहा, इंग्लिशपुरा, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई बैंक सहित अन्य स्थान पर मानव श्रृंखला बनाई जाएगी।

कलेक्टर द्वारा पांच प्रकरणों में जिला बदर के आदेश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने जिले के पांच आदतन अपराधियों को जिला बदर किये जाने के आदेश जारी कर दिए हैं। लोकसभा निर्वाचन 2024 में निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराए जाने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला के प्रतिवेदन पर अनावेदक सरदार सिंह लोधी पिता हरिसिंह लोधीउम्र 45 साल निवासी ग्राम अंबार थाना ग्यारसपुर, आकाश उर्फ टक्कू पिता दयाचंद अहिरवार उम्र 23 साल निवासी वार्ड नं. 04 रविदास कालोनी बासौदा, राजा कुशवाह पिता मांगीलाल उम्र 21 साल निवासी राजेन्द्र नगर गंजबासौदा, थाना देहात गंजबासौदा, संग्राम पिता धनसिंह लोधी उम्र 38 साल निवासी दैयरपुर थाना हैदरगढ एवं (5) इंदर सिंह अहिरवार पुत्र श्यामलाल अहिरवार उम्र 40 साल निवासी ब्योची थाना करारिया चैराहा छह माह की कालावधि के लिए जिला विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं से जिला बदर निष्कासन के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि उक्त अनोवदक जिला बदर निष्कासन कालावधि के दौरान विदिशा एवं सीमावर्ती जिले, रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर एवं राजगढ की राजस्व सीमाओं में भी नही रह सकेगें। अनावेदक के इन जिलों के न्यायालयों में यदि कोई राजस्व, आपराधिक मामले गतिशील हो तो उन मामलो में तारीख पेशी के दिन उन जिलों के न्यायालय में आ एवं जा सकेगा इसके लिए अनावेदक को संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित थाना प्रभारी को सूचना देना अनिवार्य होगा।

पुरानी जर्जर हालात में निष्प्रयोजित वाहन की 26 अप्रैल को विक्रय किया जाना

सीहोर (निप्र)। थाना आष्टा परिसर में विभिन्न कंपनियों के जाप्तत अनेक दो पहिया वाहनों जो कि पुरानी एवं जर्जर हालात में निष्प्रयोजित वाहन को जो जहॉ है और जैसे है का 26 अप्रैल,2024 को दोपहर 01 बजे विक्रय के लिए खुले रूप से नीलामी शर्तो के अधीन की जानी है।

शत-प्रतिशत मतदान करने को तैयार ग्राम सेऊ के मतदाता

कलेक्टर, सीईओ ग्राम सेऊ में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल हुए

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य एवं जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने आज संयुक्त रूप से शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत नटेरन के ग्राम सेऊ में मतदाता जागरूकता अभियान तहत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर जिले के सभी मतदाताओं को आगामी 7 मई 2024 को अपने नियत मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान करने हेतु अभिप्रेरित किया। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने पिछ्ले विधानसभा निर्वाचन में ग्राम सेऊ में हुए 70 प्रतिशत मतदान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह गांव इतना जागरुक है इसके बावजूद भी 30 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। उन्होंने ग्राम के समस्त मतदाताओं से आव्हान किया कि इस बार लोकसभा निर्वाचन में सभी मतदाता मतदान तिथि 7 मई को मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने मतदान के महत्व पर गहन प्रकाश डालते हुए बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक मतदाता का मत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए मतदाताओं के मन में यह विचार कभी नहीं आना चाहिए कि उनके अकेले के वोट डालने से किसी को क्या फर्क पड़ेगा। हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें यह मतदाता के लिए स्वयं में एक अलग अनुभूति होती है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ग्राम के मतदाताओं की सूची बनाएं और जो मतदाता गांव से बाहर निवास करते हैं उन्हें मतदान करने के लिए प्रेरित करें ताकि ग्राम में इस बार शत प्रतिशत मतदान हो सके।

मोटरसाइकिल रैली

लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत मतदान संभव हो इस हेतु कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने स्वयं मोटरसाइकिल रैली में बाईक पर सवार होकर जिले के मतदाताओं को मतदान करने का संदेश दिया है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने मोटरसाइकिल चलाकर रैली का नेतृत्व किया और सेऊ ग्राम वासियों को मतदाता जागरूकता का संदेश देते हुए शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु अभिप्रेरित किया है। रैली में जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी के साथ-साथ ग्रामीण जन व विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई है।

रस्साकसी प्रतियोगिता में महिलाओं ने निभाई सहभागिता

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत आज ग्राम सेऊ में ग्रामीण महिलाओं के मध्य रस्सा-कसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था इस अवसर पर कलेक्टर स्वंय अपने आप को नहीं रोक पाए और उन्होंने ग्रामवासियों और जिला अधिकारियों के मध्य मौके पर रस्साकसी प्रतियोगिता में जिला स्तरीय टीम को उतारा और मनोरंजन के माध्यम से सेऊवासियों सहित सभी के लिए मतदान करने के लिए अभिप्रेरित किया है। ग्राम सेऊ के मंगल भवन परिसर में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र समक्ष दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ पल पर हायर सेकेण्डरी स्कूल आमखेडा सूखा की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एक दो तीन चार आया मतदान का त्यौहार को रेखांकित करते हुए मतदाता जागरूकता का संदेश सम्प्रेषित किया है इसी प्रकार नटेरन के सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा एक दूनी दो, दो दूनी चार नाटक के द्वारा आओ यार करे मतदान का तथा नटेरन के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक एक दो तीन चार मतदाताओं बनो होशियार, घर-घर जाकर यही संदेश सात मई को करना है मतदान का संदेश दिया है वहीं ग्राम की आंगनबाडी कार्यकर्ता तथा स्थानीय कलाकार ने स्थानीय बोली के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से संदेश सम्प्रेषित किए है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि ग्रामवासियों में यह जोश प्रदर्शितकर रहा है कि सात मई को हम सब शत प्रतिशत मतदान करेंगे और प्रदेश सहित देश में ग्राम सेऊ का नाम जाना जाए यह कृत मतदान के माध्यम से संपादित करेंगे। कार्यक्रम को जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी ने भी सम्बोधित किया है। मतदाता जागरूकता शपथ से कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम स्थल पर नटेरन एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह समेत खण्ड स्तरीय अधिकारी, ग्रामीणजन मौजूद रहें।

कलेक्टर व सीईओ मतदाता जागरूकता गतिविधियों में शामिल हुए

विदिशा (निप्र)। चुनाव का पर्व, देश का गर्व थीम पर विदिशा जिले में भी मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न प्रकार की स्वीप गतिविधि आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य एवं जिला पंचायत सीईओ तथा स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट आज विदिशा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कागपुर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजन में शामिल हुए। कलेक्टर श्री वैद्य ने कागपुर ग्राम के मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछ्ले निर्वाचन में ग्रामीण मतदाताओं ने 82 प्रतिशत मतदान कर एक अभिनव पहल की थी उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से कहा कि यदि गांव के मतदाता 82 प्रतिशत मतदान कर सकते हैं तो 100 प्रतिशत मतदान क्यों नहीं कर सकते।

जिस पर ग्रामीणों ने भी संकल्प लेते हुए आश्वस्त कराया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में वह इस बार शत-प्रतिशत मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपना सराहनीय योगदान देंगे। कलेक्टर श्री वैद्य ने ग्रामीण जनों के आश्वासन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल होकर शत-प्रतिशत मतदान के संकल्प के लिए साधुवाद व्यक्त किया। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट ने भी ग्रामीण जनों को संबोधित कर उनके द्वारा पिछ्ले निर्वाचन में किए गए मतदान के प्रतिशत बढ़ाने के कार्यो की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें प्रत्येक मत के महत्व को समझना चाहिए। हर मतदाता का मत बहुत महत्वपूर्ण होता है इसलिए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

नव दंपति ने मतदान करने की ली शपथ :

ग्राम पंचायत कागपुर में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में नव दंपति वर-वधु श्री देवेंद्र तथा श्रीमती पूजा जाटव ने भी लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान तिथि 7 मई को मतदान अवश्य करेंगे का संकल्प लिया है और जिले के समस्त मतदाताओं को संदेश दिया है कि वह नियत तिथि को अपने नियत मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। इस दौरान उपस्थित ग्रामीण जनों व नव दंपति वर-वधु ने मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन किया।

उपार्जन कार्यो का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शुक्रवार को गेंहू उपार्जन कार्यो की अद्यतन स्थिति का जायजा लेने के उद्धेश्य से तीन उपार्जन केन्द्रो का औचक निरीक्षण किया। इन केन्द्रो पर गेंहू का परिवहन नहीं कराने के फलस्वरूप नागरिक आपूर्ति के डीएमओ को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने आज सूखा सेमरा के गिरधर वेयर हाउस, ग्राम हिनोतिया के भूमिजा वेयर हाउस तथा मां अम्बे वेयर हाउसिंग कंपनी कागपुर में जारी उपार्जन कार्यो का जायजा लिया है। यहां कलेक्टर के द्वारा सर्वेयरो के द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यो तथा समय पर गेंहू का परिवहन सुरक्षित स्थलों का भण्डारण नहीं करने के फलस्वरूप तथा आईडी मेपिंग के कार्यो में उदासीनता परलिक्षित होने के अलावा उपार्जन केन्द्रो पर नागरिक आपूर्ति निगम के प्रतिनिधियों की लगातार कई दिनों से अनुपस्थिति पाए जाने के फलस्वरूप इन सबके खिलाफ कार्यवाही के प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश उपार्जन के लिए नियुक्त नोडल व जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू को दिए गए है। कलेक्टर श्री वैद्य ने उपार्जन केन्द्रो पर शासन के मापदण्ड अनुसार व्यवस्थाएं संचालित कराने की हिदायत देते हुए मौके पर मौजद कृषकों से संवाद कर उपार्जन कार्यो को जाना है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, कॉ-आपरेटिव बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह, सहकारिता विभाग के अधिकारियों सहित अन्य विभागो के अधिकारी साथ मौजूद रहें।

मतदाता जागरूकता के लिये ग्राम पंचायतों में "स्वीप ओलम्पिक" का हुआ आयोजन

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के लिये हरदा जिले मे 7 मई को मतदान होगा। मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की सहभागिता के लिए मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में "स्वीप ओलम्पिक" खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी श्री रोहित सिसोनिया ने बताया कि स्वीप ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के तहत 18 से 60 वर्ष तक के महिला पुरूष के लिये 50 मीटर नींबू-चम्मच दौड़ आयोजित की गई। इसके अलावा 50 मीटर तीन पैर दौड़, 50 मीटर बोरा दौड़, 60 वर्ष से अधिक उम्र के महिला पुरूषों के लिये 100 मीटर स्पीड वॉक, 16 से 60 वर्ष तक के महिला पुरूषों के लिये 50 मीटर धीमी साईकिल, सिट अप प्रतियोगिता तथा पुश-अप प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन खेल प्रतियोगिताओं में ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लिया। स्वीप ओलम्पिक खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत द्वारा प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। स्वीप ओलम्पिक प्रतियोगिताओं में उपस्थित ग्रामीणों को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाकर 7 मई को सभी से मतदान करने की अपील की गई।

मतदाता जागरूकता के अंतर्गत स्लोगन मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है कि मतदाता जागरूकता के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं को जागरूक करने एवं अधिक से अधिक मतदान कराने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किया जाये। इसी श्रृखला में शासकीय महाविद्यालय रेहटी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं नगर परिषद रेहटी द्वारा लोकसभा निर्वाचन के तहत मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डॉ अंजली गढ़वाल के संरक्षण में मतदाता जागरूकता के लिए स्लोगन रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ पुनीत कुमार मालवी एवं सहायक डॉ दीपक रजने ने बताया किइस प्रतियोगिता में स्वीप प्लान के तहत स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लेकर रंगोली मेहंदी बनाई तथा स्लोगन लिखकर महाविद्यालय में उपस्थित नवीन

वोटर एवं अन्य लोगों को ज्यादा से ज्यादा वोट डालने के लिए जागरूक किया।आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी श्री राजाराम रावते एवं केंपस एम्बेसडर शेखर पैठारी, डॉ मनमोहन द्विवेदी, डॉ सुरेश सोलंकी सहित समस्त स्टाफ ने कार्यक्रम मेंसहयोग किया गया।

बीएलओ से संवाद

शत प्रतिशत मतदान में बीएलओ की महती भूमिका

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैध ने शुक्रवार को नटेरन एवं विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के बीएलओ से संवाद कर शत प्रतिशत मतदान के गुण सूत्रो पर गहन प्रकाश डाला है। कलेक्टर श्री वैद्य ने अपनी पूर्व पदस्थापना जिले में शत प्रतिशत मतदान के लिए किए गए प्रबंधो पर गहन प्रकाश डालते हुए सभी बीएलओ अभिप्रेरित किया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने नटेरन जनपद पंचायत के सभागार कक्ष में आयोजित संवादीय इस बैठक में उन्होंने कहा कि किसी भी निर्वाचन कार्य में बीएलओ की महती भूमिका होती है। बीएलओ के द्वारा हरेक मतदाता तक मतदान का संदेश पहुंचे इसके लिए स्थानीय स्तर पर नवाचार किए जाएं। उन्होंने छोटे-छोटे सेक्टरों में मतदाताओं को विभक्त कर जन जागरूकता के संदेश के लिए ग्राम स्तरीय अमले को जबावदेंही सौंपने पर बल दिया है। कलेक्टर श्री वैद्य ने ऐसे मतदान केन्द्र जहां औसत से कम मतदान हुआ है उन केन्द्रों पर स्वीप के तहत विशेष अभियान संचालित किए जाएं जिसमें आवश्यकता हो तो रात्रि चैपालों का आयोजन भी किया जाए। उन्होंने बीएलओ से संवादीय आयोजन के प्रयोजन को रेखांकित करते हुए कहा कि शत-प्रतिशत मतदान के मामलों में फीडबैक प्राप्त करना, और ऐसे मतदान केन्द्र जहां पूर्व के चुनाव में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है उन मतदान केन्द्रों में 100 प्रतिशत मतदान लोकसभा चुनाव के दौरान हो। कलेक्टर श्री वैद्य ने मतदान केन्द्र वार बीएलओ से पृथक-पृथक संवाद कर उन्हें अभिप्रेरित किया है। जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट ने सभी बीएलओ से अपेक्षाएं व्यक्त करते हुए कहा कि पिछ्ले चुनावों में मतदान का प्रतिशत कम क्यों हुआ, क्या कमियां रह गई थीं उन सबको लोकसभा निर्वाचन के मतदान में दुरूस्त करते हुए शत-प्रतिशत मतदान की ओर अग्रसर हों।

क्यूलेश की व्यवस्थाएं क्रियान्वित करें

कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के बीएलओ को सम्बोधित करते हुए उन्होंने मतदाताओं के मौलिक स्वभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि निकाय क्षेत्रों के मतदाता पंक्तिबद्ध रो में लगने से बचते है। अतः शहरी क्षेत्र के मतदान केन्द्रो में क्यूलेश व्यवस्था हो इसके लिए क्या प्रबंध हरेक मतदान केन्द्र पर किए जाए से संबंधित बीएलओ अनिवार्य रूप से अवगत कराएं। कलेक्टर श्री वैद्य ने निकाय क्षेत्रों में मतदान के प्रतिशत को बढाने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यो के साथ-साथ संवाद, डोर-टू-डोर सम्पर्क, मतदान के लिए आमंत्रण सहित अन्य विधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के मतदान केन्द्र में गत चुनाव की अपेक्षा अधिक मतदान हो इसके लिए हरेक मतदान केन्द्र के लिए विभागो के अधिकारियों को भी महती भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने वार्डो के मतदाताओं को छोटे-छोटे क्लस्टरों में विभक्त कर लगातार संवाद बनाए रखने पर बल दिया है। जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ भरसट ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में अधिक से अधिक मतदान हो। स्थानीय मतदाता सबसे अधिक साक्षर होते है और वे मतदान केन्द्र तक पहुंचे इसके लिए संदेशो का सम्प्रेषण विभिन्न प्लेटफार्मो के माध्यम से उन तक पहुंचाया जा रहा है। विदिशा नगरपालिका अधिकारी श्री धीरज कुमार शर्मा ने निकाय के वार्डो में बीएलओ के द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यो तथा नवाचारो के संबंध में तैयार की गई कार्ययोजना पर गहन प्रकाश डाला है। उपरोक्त बीएलओ संवादीय बैठक को विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री आकाश मंहत समेत निकाय अधिकारी, कर्मचारी तथा समस्त बीएलओ मौजूद रहें। दोनो स्थलों पर संवादीय कार्यक्रम का समापन मतदाता जागरूकता शपथ से हुआ है।

दैनिक
सद्भावना पाती
इंदौर पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर, सोमवार 22 अप्रैल, 2024

इंदौर के जीएसीसी में पहली बार चार बीएससी कोर्स होंगे शुरू, अभी तक शिक्षकों की नियुक्तियां नहीं

दो करोड़ का बजट स्वीकृत

इंदौर (नप्र)। अटल बिहारी बाजपेयी शासकीय आर्ट्स एंड कामर्स कालेज को पीएम एक्सीलेंस का दर्जा मिल चुका है। यहां अब विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रम भी संचालित हो सकेंगे। इस संबंध में कालेज प्रबंधन ने ई-प्रवेश पोर्टल पर चार बीएससी पाठ्यक्रम शुरू करने के बारे में बताया है, जबकि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षकों की नियुक्तियां का कालेज इंतजार कर रहा है। वैसे इन पदों को भरने का काम शासन स्तर पर किया जाएगा। पिछले महीने प्रदेशभर के 55 पीएम एक्सीलेंस कालेजों के कायाकल्प को लेकर बजट आवंटित किया गया, जिसमें जीएसीसी को करीब दो करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। यह राशि अभी कालेजों को नहीं मिली है।

उधर शासन ने कालेजों से जुड़े निर्माण कार्यों के संबंध में मार्च में टेंडर निकाल दिया था। फरवरी में शासन ने प्रदेशभर के 55 सरकारी कालेजों को पीएम एक्सीलेंस में शामिल किया है। जहां सभी संकाय के पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

पीएम एक्सीलेंस का दर्जा मिलने के बाद कालेज ने ई-प्रवेश पोर्टल पर दी कोर्स की

भवन का करना होगा विस्तार

इंदौर जिले में जीएसीसी को चुना गया था। यहां कला-वाणिज्यिक के अलावा अब विज्ञान संकाय में आने वाले पाठ्यक्रम शुरू होंगे। कालेज ने विज्ञान संकाय को परिसर में बनी स्वामी विवेकानंद भवन में लगाने का फैसला किया है, जिसमें पांच क्लासरूम बने हैं। मगर प्रबंधन को भवन का विस्तार करना होगा। इसके लिए कालेज ने छह अतिरिक्त क्लासरूम के अलावा प्रयोगशाला और लाइब्रेरी का प्रस्ताव भेजा है।

जीएसीसी को मिलेंगे दो करोड़ 13 लाख रुपये

13 मार्च को बैठक में 55 कालेजों के लिए बजट निर्धारित किया गया। इन्हें करीब 336 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसमें जीएसीसी को दो करोड़ 13 लाख रुपये स्वीकृति किए है। इसमें भवन विस्तार पर 53 लाख, लाइब्रेरी 42 लाख, वाशरूम 18 लाख, किताबें-उपकरण और कंप्यूटर खरीदने पर एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

42 पदों पर होना है भर्ती

एक्सीलेंस का दर्जा मिलने के बाद कालेजों में 42 पद दिए हैं, जिसमें 32 प्राध्यापक, कम्प्यूटर आपरेटर, लाइब्रेरियन सहित अन्य पद रिक्त हैं। इन पर शासन स्तर पर नियुक्तियां होंगी। वैसे प्रवेश प्रक्रिया तक टीचिंग स्टाफ नहीं होने की स्थिति में अतिथि विद्वानों से भी कक्षाएं लगवाई जाएंगी। यह काम भी उच्च शिक्षा विभाग अपने माध्यम से करवाएगा। कालेज ने चार बीएससी पाठ्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया है, जिसमें बायोटेक्नोलाजी, कम्प्यूटर साइंस, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बाटनी, जूलाजी शामिल है। प्रत्येक कोर्स में 60-60 सीटों की मंजूरी मिली है। 2024-25 सत्र के लिए इन सीटों पर विद्यार्थियों को आनलाइन काउंसिलिंग से प्रवेश दिया जाएगा।

न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर तकरार, फिलहाल 2 जून से ही रहेगा

इंदौर (नप्र)। न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर बार और बेंच के बीच एक बार फिर तकरार की स्थिति निर्मित हो गई है। न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 2 जून से शुरू होकर 30 जून तक रहेगा। हाई कोर्ट जबलपुर से इसके आदेश जारी भी हो गए हैं। इधर अधिवक्ता मांग कर रहे हैं कि न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश पहले की तरह 13 मई से 15 जून तक रखा जाए।इंदौर अभिभाषक संघ ने तो साधारण सभा बुलाकर सर्वानुमति से इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित कर जबलपुर भेज दिया है। हालांकि इस पर अब तक कोई निर्णय नहीं आया है। ऐसी स्थिति में माना जा रहा है कि फिलहाल तो न्यायालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 2 जून से ही शुरू होगा।

गौरतलब है कि न्यायालयों में वर्षों पुरानी परंपरा के मुताबिक 13 मई के आसपास एक माह के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश रहता था। इस दौरान आपराधिक प्रकरणों के अलावा सिर्फ अर्जेन्ट मामले ही सुने जाते थे। सिविल मामलों की नियमित सुनवाई पूरी तरह से बंद रहती है।

हाई और जिला कोर्ट में 2 से 30 जून तक अवकाश

हाई कोर्ट ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश में आंशिक रूप से बदलाव किया है। हाई कोर्ट में 2 जून से 30 जून तक और जिला न्यायालयों में पहले की तरह 13 मई से 15 जून तक अवकाश घोषित किया गया था, लेकिन अधिवक्ताओं ने मांग की कि दोनों न्यायालयों में एक जैसा अवकाश घोषित किया जाए, क्योंकि अलग-अलग अवकाश की तिथियां होने से अधिवक्ता अवकाश का आनंद ही नहीं ले पाएंगे। इस पर हाई कोर्ट ने जिला न्यायालय में अवकाश की तिथि में बदलाव करते हुए इसे भी 2 जून से 30 जून कर दिया।

बदलाव चाहते हैं वकील

इधर, अधिवक्ताओं का कहना है कि सर्वाधिक गर्मी तो मई माह में रहती है इसलिए ग्रीष्मकालीन अवकाश भी मई में ही रहना चाहिए। जून में वर्षाकाल शुरू हो जाता है और बच्चों के स्कूल भी खुलने लगते हैं। ऐसे में अधिवक्ता चाहकर भी ग्रीष्मकालीन अवकाश में परिवार के साथ घूमने नहीं जा सकते। अधिवक्ताओं की मांग है कि अवकाश की तारीखों में बदलाव किया जाए और इसे पहले की तरह मई के दूसरे और जून के पहले पखवाड़े में रखा जाए।

स्टूडेंट सुसाइड केस में निजी यूनिवर्सिटी डायरेक्टर फंसे

स्टूडेंट ने यू ट्यूब चैनल पर सुसाइड नोट डालकर दी थी जान, दो साल बाद केस

इंदौर (नप्र)। इंदौर की बेटमा पुलिस ने एक स्टूडेंट के सुसाइड के दो साल बाद एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सेज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, एनएसयूआई की प्रेसिडेंट सहित कई लोगों को आरोपी बनाया है। स्टूडेंट ने अपने यू ट्यूब चैनल पर सुसाइड नोट डालकर जान दे दी थी। बेटमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अरुण पटेल निवासी प्रभातम कॉलोनी ने दो साल पहले सुसाइड कर लिया था। वह सेज यूनवर्सिटी का स्टूडेंट था। मरने से पहले अरुण ने अपना सुसाइड नोट यूट्यूब पर अपलोड किया था। पुलिस के मुताबिक अरुण पटेल ने मई 2022 में सुसाइड किया था। पुलिस ने एक सुसाइड नोट जब्त किया था। इसमें अरुण ने अपने यू ट्यूब चैनल पर सेज यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनिल पटवारी प्रोफेसर नीरज और स्टूडेंट वंदना, नीरज और रवि पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस सुसाइड केस में सेज यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनिल पटवारी, सेज यूनिवर्सिटी के नीरज डोंगरे वंदना, एनएसयूआई के प्रेसिडेंट रवि चौधरी व एक अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिये उकसाने के मामले में केस दर्ज किया है।

होटल में हो रहा था सट्टा..पुलिस ने पकड़ा

दिल्ली-हैदराबाद मैच को लेकर ऑनलाईन एप से करवा रहा था बुकिंग

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूड़िया इलाके में एक होटल से पुलिस ने एक बुकी को पकड़ा है। आरोपी झाबुआ के नजदीक थांदला का रहने वाला है। पुलिस ने शनिवार रात में दबिश दी और आरोपी को लेकर थाने आए। आरोपी के पास से मोबाइल और एप की जानकारी मिली है। जिससे वह पूरा काम संचालित कर रहा था।लसूड़िया टीआई तारेश सोनी की टीम ने महालक्ष्मी नगर के सिल्वर स्काय होटल के रूम नंबर 103 में दबिश देकर यहां से सौरभ उर्फ सत्यम पुत्र नरेन्द्र जैन कांकरिया निवासी पीपली चौक, थांदला को पकड़ा है। आरोपी के पास दो मोबाइल, हिसाब किताब की डायरी और कुछ गैजेट्स मिले हैं।

दो ऑनलाईन एप से करवा रहा था बुकिंग- पुलिस को सत्यम के पास से दो ऑनलाइन एप की जानकारी मिली है। एक गोटेक 777 डॉट कॉम ओर दूसरा वर्ल्ड 777 डॉट बीट के माध्यम से वह अपने कस्टमर से हार जीत पर दांव लगवा रहा था। इसके लिये वह अपने थांदला के अकाउंट नंबर पर कस्टमर से रुपए ट्रांसफर करवा रहा था। पुलिस ने रात में थाने लाकर गैम्बलिंग एक्टर के तहत कार्रवाई की है। पुलिस सटोरिया से मिली सिम को लेकर जानकारी निकाल रही है।

होटल में बीपीओ टीम लीडर ने लगाई फांसी

दोस्तों से मिलकर जाने वाली थी अहमदाबाद; सहेली बोली- शादी का दबाव था

इंदौर (नप्र)। इंदौर में स्कीम नंबर 54 की होटल डेस्टिनी में बीपीओ कंपनी की टीम लीडर ने फांसी लगा ली। होटल विजय नगर इलाके में है। युवती इंदौर के दोस्तों से मिलने के बाद अहमदाबाद जाने वाली थी। उसकी फ्लाइट भी रविवार सुबह की थी। लेकिन इससे पहले उसने होटल के कमरे में खिड़की की ग्रिल से लटक कर फांसी लगा ली।युवती का नाम नल्ला पूजा (24) पुत्री एन गोपी कृष्णा है। वह 19 अप्रैल को होटल डेस्टिनी में आकर रुकी थी। पूजा अहमदाबाद में बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) कंपनी में टीम लीडर की पोस्ट पर थी। इससे पहले वह इंदौर की एक कंपनी में जॉब करती थी।

ऐसे सामने आया पूजा की मौत का सच

पूजा की सहेली श्वेता ने हाल-चाल जानने के लिए रविवार सुबह कॉल किया। पूजा ने फोन रिसीव नहीं किया तो वह कुछ देर बाद होटल पहुंची। यहां पूजा के बारे में रिसेप्शन पर पूछा। होटल स्टाफ ने रूम में होने की जानकारी दी। इसके बाद श्वेता पूजा के कमरे में पहुंची। यहां डोर बेल बजाई। दरवाजा भी खटखटाया। काफी देर तक पूजा ने दरवाजा नहीं खोला तो श्वेता ने होटल स्टाफ को बुलाया। स्टाफ ने मास्टर-की (चाबी) से पूजा के कमरे का लॉक खोला। अंदर देखा तो पूजा का शव खिड़की में फंदे पर लटका था।

कुछ महीने पहले ही गई थी हैदराबाद

विजय नगर थाना प्रभारी सीबी सिंह का कहना है कि पूजा पहले इंदौर के कॉल सेंटर में जॉब करती थी। इसके बाद उसकी जॉब अहमदाबाद की कंपनी में लग गई। वहां जाने से पहले वह दोस्तों से मिलने इंदौर आई थी। रविवार की सुबह फ्लाइट से उसे अहमदाबाद जाना था। पूजा हैदराबाद के पास श्रीकाकुलम् की रहने वाली थी। कुछ महीने पहले अपने माता-पिता के पास हैदराबाद गई थी।

नहीं मिला सुसाइड नोट

थाना प्रभारी सीबी सिंह के मुताबिक मौके पर किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। पूजा के पिता से मोबाइल पर बात कर घटना की जानकारी दी गई है। पिता ने किसी तरह का तनाव होने से इनकार किया है। परिवार के लोगों को इंदौर आने के लिए कहा गया है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। सहेली श्वेता ने बताया कि पूजा शादी की बात चल रही थी। इसके लिए उसे बार-बार श्रीकाकुलम् (हैदराबाद) बुला रहे थे। लेकिन वह शादी नहीं करना चाहती थी।

भक्तों ने खींचा महावीर स्वामी का रथ

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,महापौर भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर मंगल जुलूस को रवाना किया

इंदौर (नप्र)। इंदौर में भगवान महावीर का 2622वां जन्म कल्याणक महोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पर 21 अप्रैल को सुबह 8.30 बजे राजबाड़ा से विशाल मंगल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस शहर के कई मार्गो से होता हुआ दलालबाग पहुंचा।अखिल भारतीय श्वेतांबर जैन महासंघ के अध्यक्ष कैलाश नाहर और प्रचार प्रभारी योगेंद्र सांड ने बताया कि नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने हरी झंडी दिखाकर मंगल जुलूस को रवाना किया। साथ में साधु-संत भगवन विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंगल जुलूस में भगवान महावीर चांदी के रथ पर थे। रास्ते में भक्तों को दर्शन दिए। मंगल जुलूस के रथ को जैन युवा संघ के 100 युवा इंद्र की वेश में नंगे पैर खींचे। साथ में 64 दिव्य कुमारियां चारित्रिक वेशभूषा में रहीं, जबकि 70 से अधिक भजन मंडलियां भी थी।मंगल जुलूस में भगवान महावीर के जीवन पर आधारित सुंदर और मनमोहक झांकियां थी। जो अहिंसा और शाकाहार अपनाओ का संदेश देते हुए चलीं। रास्ते में त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की, जियो और जीने दो के उद्घोष लगे। जुलूस मार्ग पर कई मंचों की ओर से मंगल जुलूस का फूलों की पंखुड़ियों से स्वागत किया गया।जुलूस में महिलाएं केसरिया वस्त्र में रहीं।

इंदौर के कन्फेक्शनरी व्यापारी के यहां चोरी

सामान लेने आया फिर काउंटर से चाबी निकाली और गल्ला साफ कर दिया

इंदौर (नप्र)। जूनी इंदौर इलाके में कन्फेक्शनरी व्यापारी के यहां चोरी हो गई। एक चोर कस्टमर बनकर वहां पहुंचा और सामान लेकर भाग गया। पुलिस ने चोर के खिलाफ केस दर्ज किया है। व्यापारी ने फुटेज अभी पुलिस को नहीं दिए हैं। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक बीके सिंधी कॉलोनी में लोकेश फतेहचंदानी की कन्फेक्शनरी की शॉप है। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल की रात में उनके यहां एक कस्टमर पहुंचा और उसने सामान की एक लिस्ट दी। जब लोकेश सामान निकालने में व्यस्त हुए तो इस दौरान उसने काउटंर से चाबी निकालकर गल्ले में रखे करीब 25 हजार नकदी पर हाथ साफ कर दिया।इसके बाद लोकेश जब सामान निकालकर बाहर आए तो युवक ने कहा कि सामान बहुत है वह कार लेकर आता है। पर वह नहीं लौटा। अगले दिन उन्होंने सिल्लक गिनी तो उसमें रुपए कम थे। बाद में शॉप के सीसीटीवी चेक किये तो उसने कस्टमर बनकर आया युवक चोरी करता दिखाई दिया। इसके बाद लोकेश ने पहुंचकर केस दर्ज करा दिया।

बड़वाह गए परिवार के यहां चोरी- राजेन्द्र नगर इलाके के कुंदन नगर में चोरों ने एक महिला के घर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर यहां से सोने चांदी के जेवर और कुछ नकदी लेकर चले गए। पुलिस ने ज्योति नाम की महिला की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

85+ बुजुर्गों के घर-घर पहुंच रहे बीएलओ

बता रहे वोटिंग के विकल्प; भीषण गर्मी में घर बैठे दे सकते हैं वोट

इंदौर (नप्र)। लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो इसके लिए प्रशासन द्वारा हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस बार 24 हजार ऐसे वोटर्स हैं जो 85 वर्ष से अधिक उम्र के या दिव्यांग हैं। ये दोनों फॉर्म-12 के माध्यम से आवेदन करके घर से भी वोट दे सकते हैं।इसके लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) उनके घर जा रहे हैं। वे उन्हें वोटिंग के दोनों विकल्प समझा रहे हैं। यह भी बता रहे हैं कि 13 मई को वोटिंग के दिन भीषण गर्मी रहेगी लेकिन आपके पास घर बैठे वोट देने का अधिकार है। वोट जरूर दें।इस बार चुनाव आयोग ने नियमों में संशोधन करते हुए बुजुर्गों के लिए घर से वोट देने की सुविधा अब 85+ वर्ष कर दी है। इंदौर में 85 वर्ष से अधिक उम्र के करीब 10 हजार वोटर्स हैं। ऐसे ही 13500 ऐसे दिव्यांग हैं। जिनकी विकलांगता 40त्न से ज्यादा है।इन दोनों कैटेगरी के लोग घर से अपने वोट दे सकते हैं। इसके लिए बीएलओ ने विकलांगता के प्रतिशत के साथ-साथ उनकी उम्र की पुष्टि करने के लिए उनके घर-घर जाना शुरू कर दिया है। बीएलओ इन मतदाताओं के पते की भी पुष्टि कर रहे हैं। वे उनकी इच्छा के बारे में जान रहे हैं कि क्या वे घर से वोट देना चाहते हैं, ताकि उन्हें फॉर्म 12डी की प्रक्रिया समझाई जा सके।

50 प्रतिशत से भी कम मतदान वाले 200 मतदान केंद्रों पर जोर

उधर, इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड ने करीब 200 मतदान केंद्रों पर ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने के लिए योजना बनाई है। इसके लिए 10 हजार यंग वॉलियंटर्स की मदद ली जा रही है। ये वे मतदान केंद्र हैं जहां पिछले चुनावों में 50त्न से भी मतदान हुआ था।ऐसे मतदान केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा हैं। इसके लिए यंग वॉलियंटर्स को वोटर्स से कैसे संपर्क करना, उन्हें वोट के महत्व कार और बाइकको समझाना और उनसे वोटिंग का आग्रह करने आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही मैराथन, रैलियों, रहवासी संघों और महिला संगठनों के साथ बैठकों आदि के माध्यम से भी वोट देने की अपील की जाएगी।

9 हजार हथियार लाइसेंसधारी

इस बार चुनाव के पूर्व 9 हजार लाइसेंसधारियों को अपने हथियार जमा करने होंगे। इनमें 350 लाइसेंसधारियों ने अभी तक आदेश का पालन नहीं किया है। ऐसे लोगों से अनुरोध किया गया है कि जल्द अपने क्षेत्र के संबंधित पुलिस स्टेशन में हथियार जमा कर दें, अन्यथा उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, सोमवार 22 अप्रैल, 2024

संपादकीय | नई रणनीति के तहत आतंक फैलाने की कोशिश

पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके।

मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है। वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है।

पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निर्दोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है।

दरअसल, यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे। जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके। समस्या यह है कि आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है। निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसी हत्याओं से सुरक्षा व्यवस्था के चौकस होने के सरकार के दावों पर भी सवाल उठते हैं। लक्षित हत्याओं की नई रणनीति से आए दिन बाहरी या फिर स्थानीय लोगों को जिस तरह पहचान कर निशाना बना कर मार डालने की घटनाओं के जरिए लोगों के बीच आतंक फैलाने की कोशिशों में जिस तरह बढ़ोतरी हुई है, उससे साफ है कि अभी आतंकियों का असर खत्म नहीं हुआ है।

किसी की पहचान तय करके उसे मार डालने का एक मकसद यह भी होता है कि अलग-अलग समुदायों के बीच आपस में दूरी और संदेह का माहौल पैदा किया जाए, ताकि असुरक्षाबोध से घिरे लोगों का इस्तेमाल मन-मुताबिक किया जा सके। जाहिर है, सुरक्षा बलों को अब हालात के मुताबिक नई रणनीति के तहत आतंकियों के खिलाफ मोर्चा लेना होगा।

सोशल मीडिया से...

इंडी गठबंधन को उम्मीदवार नहीं मिल रहा। वायनाड में राहुल को संकट दिख रहा है। जैसे वे अमेठी छोड़कर भागे हैं, उन्हें वायनाड छोड़कर भी भागना पड़ेगा। 2014 में जब मैं पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहा था, तब आतंकी हमलों के डर, आए दिन बम धमाके की खबरें छाई रहती थीं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हमने बहुमत का उपयोग गरीबी को हटाने में किया, देश को सुरक्षित बनाने में किया, अर्थतंत्र को 11वें से 5वें नंबर पर लाने में किया। जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जिंदा है, हम आरक्षण को हटाने नहीं देंगे। ये कांग्रेस पार्टी वाले झूठ फैला रहे हैं। देश के अर्थतंत्र को दुनिया में तीसरे नंबर पर लाने का काम नरेंद्र मोदी करेंगे।

अमित शाह, केंद्रीय मंत्री

मोदी का जो करिश्मा पहले था, अब वैसा नहीं रहा। महाराष्ट्र में कम से कम 50 प्रतिशत सीटें हम जीतेंगे। शरद पवार का कहना है कि भाजपा ने ईडी का इस्तेमाल करके कुछ ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से हमारे साथी उनके कहने पर चले गए।

शरद पवार,
एनसीपी शरदचंद्र पवार प्रमुख

हमारी सरकार बनने पर अग्निवीर योजना को खत्म कर सेना में पुरानी भर्ती व्यवस्था को लागू किया जाएगा तथा मोदी सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ लाए गए गलत कानून को रद्द कर उनके उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाएगा और किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

पश्चिम बंगाल में मोदी बनाम ममता की जंग

ममता बनर्जी जहां मुस्लिम वोटर्स को कांग्रेस और लेफ्ट मे जाने से रोकने में कामयाब लग रही हैं, वहीं ममता के मुस्लिम वोटर्स को काउंटर करने के लिए भाजपा एससी/एसटी और हिंदू वोटर्स को अपने पाले में लाने का हससंभव प्रयास कर रही है। मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से ममता के साथ हैं। मुसलमानों को लगता है कि ममता के रहते सीएए और एनआरसी बंगाल में लागू नहीं होगा। ऐसे में मुसलमानों का एकमुश्त वोट ममता को मिलता दिख रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी के पास मुसलमान वोटर के अलावा दो बड़े वोट बैंक भी हैं। महिला और अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण। महिलाएं ममता के लक्ष्मी भंडार और कन्याश्री योजनाओं से खुश हैं। बंगाली भद्रलोक यानी अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण करीब 3 से 4 प्रतिशत है। बंगाली ब्राह्मण खुद को सेकुलर साबित करने के लिए टीएमसी को वोट देते हैं। यह भद्रलोक प्रोग्रेसिव सोच को मानते हैं और भाजपा की हिन्दू राजनीति को पंसद नहीं करते हैं। इनको लगता है कि भाजपा इनके रहन सहन और संस्कृति को अपने हिंदुत्व एजेंडा से बदल देगी।

समीर चौगांवकर

पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल से लेकर 1 जून तक सात चरणों में मतदान होना है। 2019 की तरह इस बार भी ममता और मोदी आमने सामने हैं। ममता बनर्जी 13 साल से बंगाल की मुख्यमंत्री हैं और वह इसी दबदबे के आधार पर भाजपा की बढ़त को रोकने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं।

बंगाल का यह चुनाव भाजपा और तृणमूल दोनों पूरी तरह ध्रुवीकरण पर लड़ रही हैं। भाजपा का पूरा फोकस और प्रचार राम मंदिर निर्माण, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), संदेशखाली में महिलाओं के साथ शोषण और प्रदेश में ममता राज में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे के इर्द गिर्द सिमटा हुआ है। भाजपा को उम्मीद है कि इन सब मुद्दों के दम पर वह 2019 में जीती 18 सीटों से आगे बढ़कर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी।

भाजपा इस लोकसभा चुनाव को 2026 के लिए वार्मअप चुनाव के रूप में भी देख रही है। उधर ममता बनर्जी प्रदेश के मुस्लिम नेताओं को साफ-साफ कह रही हैं कि भाजपा के आते ही सीएए और एनआरसी लागू हो जाएगा और आप लोगों से देश की नागरिकता छीन ली जाएगी। जब तक मैं हूं, आपको कोई हाथ भी नहीं लगा सकता। तृणमूल कांग्रेस ने इस बार घर घर बैठक पर चुनाव प्रचार अभियान पर फोकस किया है। ममता के छोटे-छोटे वीडियो हर घर में दिखाए जा रहे हैं जिसमे वह कह रही हैं कि जब तक ममता है, मोदी बंगाल में आ नहीं सकते।

ममता बनर्जी जहां मुस्लिम वोटर्स को कांग्रेस और लेफ्ट मे जाने से रोकने में कामयाब लग रही हैं, वहीं ममता के मुस्लिम वोटर्स को काउंटर करने के लिए भाजपा एससी/एसटी और हिंदू वोटर्स को अपने पाले में लाने का हससंभव प्रयास कर रही है। मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से ममता के साथ हैं। मुसलमानों को लगता है कि ममता के रहते सीएए और एनआरसी बंगाल में लागू नहीं होगा। ऐसे में मुसलमानों का एकमुश्त वोट ममता को मिलता दिख रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी के पास मुसलमान वोटर के अलावा दो बड़े वोट बैंक भी हैं। महिला और अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण। महिलाएं ममता के लक्ष्मी भंडार और कन्याश्री योजनाओं से खुश हैं। बंगाली भद्रलोक यानी अपर कास्ट बंगाली ब्राह्मण करीब 3 से 4 प्रतिशत है। बंगाली ब्राह्मण खुद को सेकुलर साबित करने के लिए टीएमसी को वोट देते हैं। यह भद्रलोक प्रोग्रेसिव सोच को मानते हैं और भाजपा की हिन्दू राजनीति को पंसद नहीं करते हैं। इनको लगता है कि भाजपा इनके रहन सहन और संस्कृति को अपने हिंदुत्व एजेंडा से बदल देगी।

2024 के चुनाव में ममता मोदी पर भारी नजर आ रही थी, लेकिन संदेशखाली में महिलाओं के उत्पीड़न ने भाजपा के पक्ष में कुछ हद तक माहौल बना दिया है। जो संदेशखाली महिलाओं के उत्पीड़न को लेकर पूरे देश में चर्चा में आया वह बशीरहाट लोकसभा सीट में आता है। इसकी सरहद बांग्लादेश से सटी है। इस कारण अवैध घुसपैठ भी एक बड़ा मुद्दा है। बशीरहाट में आखरी फेज में वोटिंग है। टीएमसी ने विधायक हाजी नरूल इस्लाम को टिकट दिया है। हाजी नरूल इस्लाम 2009 से 2014 तक बशीरहाट से सांसद रहे हैं। बशीरहाट में मुस्लिम आबादी 45 प्रतिशत है।

संदेशखाली एसटी बाहुल्य है। इसलिए भाजपा यहां एससी/एसटी की राजनीति कर रही है। भाजपा की उम्मीदवार रेखा पात्रा अनुसूचित जाति के बागड़ी समुदाय से आती हैं। मोदी कूचबिहार और जलपाईगुडी में रैली कर चुके हैं। दोनो सीटें एससी आरक्षित सीटें है। भाजपा यहां पर एससी और एसटी लोगों से कह रही है कि टीएमसी जीत गई तो आपकी जमीन पर फिर कब्जा हो जाएगा।

पश्चिम बंगाल में एससी आबादी 23.51 प्रतिशत है और एसटी आबादी 5.8 प्रतिशत है। पश्चिम बंगाल में एससी के लिए लोकसभा की 8 और विधानसभा में 68 सीटें आरक्षित हैं। बंगाल में भाजपा एससी समुदाय में आने वाले दास, राजबंशी, खान, मंडल, प्रामाणिक, सरदार और पात्रा को अपने पाले में करने की रणनीति पर काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में बागड़ी समुदाय सबसे अधिक है और रेखा पात्रा को आगे कर भाजपा इस समुदाय को भी संदेश देने की कोशिश में है।

बंगाल में संघ भी जमीनी स्तर पर लगातार काम कर रहा है। इसके साथ ही मोदी की लोकप्रियता के साथ टीएमसी के बड़े नेताओं के भाजपा में आने से भाजपा का आधार मजबूत हुआ है। 2020 में शुभेन्दु अधिकारी टीएमसी छोड़कर भाजपा में आ गए थे। वे अपने साथ बर्धमान के बड़े नेता सुनील मंडल को भी ले आए।

शुभेन्दु की वजह से भाजपा मेदिनीपुर डिवीजन में मजबूत हो रही है। यहां 9 लोकसभा सीटें है। इसके अलावा भाजपा नॉर्थ बंगाल में भी मजबूत नजर आ रही है। नॉर्थ बंगाल की 4 सीटों दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार,अलीपुरद्वार के साथ ही मेदिनीवुर डिवीजन की 9 सीटों तमलुक, कांथी, मेदिनीपुर, घाटल, पुरूलिया, बांकुरा, विष्णुपुर, झारग्राम और श्रीरामपुर सीट पर भाजपा को उम्मीद है कि वह इन सीटों पर कब्जा कर लेगी।

इसके अलावा वर्धमान डिवीजन की 7 सीटों आसनसोल, बर्धमान दुर्गापुर, बीरभूम, बर्धमान ईस्ट, हुगली, आरामबाग और बोलपुर में भी भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा को 2019 के चुनाव में झारखंड से सटे दक्षिण बंगाल के जंगल महल इलाके और उत्तर बंगाल से फायदा हुआ था। लेकिन ग्रामीण और आदिवासी इलाकों के साथ ही भाजपा शहरी सीटों पर भी पूरा ध्यान दे रही है।

बंगाल में दशकों से कूच राजवंश की सांस्कृतिक एवं सामाजिक अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले ग्रेटर कूचबिहार पीपुल्स एसोसिएशन भाजपा के साथ है। इसका प्रभाव कूचबिहार, जलपाईगुडी, दार्जिलिंग, ग्वालपाड़ा, कोकराझार, चिराग व बारपेटा समेत असम के 10 जिलो में है। कूचबिहार में कोच राजवंशियो की संख्या 52 फीसद, अलीपुरद्वार में 46 फीसद और जलपाईगुड़ी में 16 फीसद है। बीजेपी ने उत्तर बंगाल के कूचबिहार इलाके से आने वाले कोच राजवंशी समुदाय के नेता अनंत महाराज को राज्यसभा एक रणनीति के तहत भेजा है।

वहीं दूसरी ओर बंगाल में ममता के ठुकराने के बाद सीपीएम, कांग्रेस और इंडियन सेक्युलर फ्रंट मिलकर चुनाव लड़ रहे है। यह गठबंधन मिलकर कुछ कर सके इसकी संभावना कम ही है। कांग्रेस के नेता अधीर रजंन चौधरी अपनी सीट बहरामपुर पर फंस गए हैं क्योकि टीएमसी ने यहां से क्रिकेटर युसूफ पठान को उतारा है। ममता खुद बहरामपुर से अ?धीर रजंन चौधरी की हार तय करने के लिए दो बार इस क्षेत्र का दौरा कर चुकी हैं। कांग्रेस का खाता बंगाल में अधीर रजंन चौधरी ही खोल सकते हैं, ?बाकी कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन से उम्मीद करना बेकार है।

इस बार के चुनाव में ममता का सबकुछ दांव पर है। अगर राज्य में भाजपा बड़ी पार्टी बनने में सफल रहती है तो ममता के लिए आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा से लड़ना मुश्किल होगा। पूरी लड़ाई ममता और मोदी के बीच है। ध्रुवीकरण के दो छोर पर खड़े दोनों नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक रहे है। 4 जून को बंगाल के नतीजे हमें बंगाल के भविष्य की कहानी अच्छे से समझाएंगे।

हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया

रजनीश कपूर

1961 की बहुचर्चित फिल्म 'हम दोनों' का ये गाना सबने सुना होगा। धूम्रपान करने वाले सभी व्यक्तियों ने भी इसे अवश्य सुना होगा। फिल्म में गाने के बोल इस तरह दर्शाए गए कि फिल्म का हीरो अपने सभी फिक्र और चिंताओं को धुएं के कश में उड़ा देता है और चिंता मुक्त हो जाता है। परंतु क्या यह सही है कि मात्र सिगरेट के कश भरने और धुआं उड़ाने से आपकी इ्क्षचताएं खत्म हो जाएंगी? इसका उत्तर है नहीं। बल्कि यदि आपको धूम्रपान की लत लग जाए तो आपकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ जरूर जाएंगी। आज जानते हैं कि ऐसा क्या है इस चंद लम्हे की मामूली सी खुशी में, जो लाखों करोड़ों को इसकी लत लगा देती है। दरअसल सिगरेट में मौजूद तंबाकू में निकोटीन पाया जाता है जो कश लेते ही बड़ी तेजी से यह धुआं आपके फेफड़े में समा जाता है और कुछ ही क्षण में दिमाग तक पहुंच जाता है। दिमाग में पहुंचते ही इसका संपर्क 'नर्व सैल' से होता है और इसके असर से डोपामाइन नाम का रसायन बाहर आता है। यह रसायन आपके दिमाग को संकेत देता है कि कुछ अच्छा करने से आपको ईनाम मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो, यह रसायन आपको ऐसा इशारा देता है कि आप एक बार दोबारा सिगरेट का कश भर लेते हैं। एक शोध के अनुसार सिगरेट की लत से प्रभावित लोगों को, जिन्हें गले का कैंसर हुआ था, उनकी गले की नली को काट कर अलग करना पड़ा। उपचार के बाद भी इस लत ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और वे दोबारा धूम्रपान करने को मजबूर थे।

सिगरेट में मौजूद तंबाकू की लत अन्य नशीले पदार्थों की तरह ही होती है जिससे छुटकारा पाना आसान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार दिमाग़ के जिस हिस्से को 'एनिमल पार्ट' कहा जाता है उससे ही निकोटीन की लत पर काबू पाया जा सकता है। नशीले पदार्थ हमारे दिमाग के 'एनिमल पार्ट' को इस कदर उकसाते हैं कि वो ऐसे संदेश भेजता है कि हम ऐसा बार-बार करें। वहीं दिमाग का दूसरा हिस्सा हमें ऐसा करने से रोकता भी है। नशे की लत की गिरफ्त में लोग अक्सर इस संघर्ष से जूझते रहते हैं। इस लत का इस बात से कोई भी लेना-देना नहीं है कि आप कितने समझदार हैं। बल्कि आपका दिमाग निकोटीन या अन्य नशीले पदार्थों पर किस तरह प्रतिक्रिया देता है। यदि समय रहते और सही संगति के चलते नशा या धूम्रपान रोक दिया जाए तो बेहतर हो परंतु ऐसा बहुत कम होता है।

सिगरेट की लत के लिए केवल निकोटीन ही जिम्मेदार नहीं होती। इसके लिए एक प्रमुख भूमिका सिगरेट बनाने वाली कंपनियों और उनके द्वारा जारी किए भ्रामक विज्ञापन भी उतने ही जिम्मेदार हैं। पश्चिमी देशों में जैसे ही निकोटीन की लत को लेकर सवाल उठने लगे तो कुछ लोगों ने इसकी जड़ तक जाने की सोची। उन्होंने वैज्ञानिक तरीकों से यह साबित कर दिया कि सिगरेट के धुएं में कुछ भी लाभदायक नहीं होता। इतना ही नहीं ये न केवल धूम्रपान करने वाले के लिए बल्कि उसके आस-पास के लोगों के लिए भी काफी हानिकारक साबित हो सकता है। जैसे-जैसे यह अभियान तेजी पकडने़ लगा, धूम्रपान पर सार्वजनिक जगहों पर प्रतिबंध भी लगने लगा। इतना ही नहीं सिगरेट पर अतिरिक्त और बढ़े हुए कर भी लगाए जाने लगे जिससे इसकी कीमत में भी बढ़ौतरी हुई। इसके साथ ही सिगरेट के डिब्बों पर भी स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियां भी छापी जाने लगीं।

परंतु इन सबके चलते भी पश्चिमी देशों की बड़ी-बड़ी सिगरेट कंपनियों ने हार नहीं मानी। ज्यादा मुनाफा कमाने की नीयत से इन कंपनियों ने विकासशील देशों और उन देशों का रुख करना शुरू कर दिया जहां नियम और कानून सख्त नहीं थे। इन देशों में आम नागरिक धीरे-धीरे इन कंपनियों की मार्कीटिंग के मायाजाल में बड़ी आसानी से फंस गए। देखते ही देखते इन कंपनियों की फिर से चांदी होने लग गई। पर सोचने वाली बात यह है कि लोग धूम्रपान के आदी कैसे बन जाते हैं? कुछ लोग सिगरेट पीने को एक 'स्टेटस सिंबल' या सामाजिक स्थिति का संकेतक मानते हैं। वो समझते हैं कि धूम्रपान करना एक ऐसी आदत है जो किसी विशेष वर्ग में आपको बड़ी आसानी से स्थान देती है। परंतु इस स्थान पाने की होड़ में आप अपनी सेहत से खिलवाड़ कर लेते हैं।

इस लत के चलते न सिर्फ आप अनी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं बल्कि अपने घरेलू बजट का भी नुकसान कर रहे हैं। ज्यों-ज्यों आपकी यह लत बढ़ती जाएगी आपकी जेब पर बोझ भी बढ़ेगा। इतना ही नहीं धूम्रपान करने से मिलने वाला आंशिक 'सुकून' एक बड़ी मात्रा में आपके स्वास्थ्य पर असर करता है और यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसलिए आप जब भी किसी धूम्रपान करते हुए व्यक्ति को देखें या स्वयं अगला कश लगाने लगें तो यह सवाल अवश्य पूछें कि क्या वास्तव में धूम्रपान करने से फिक्र धुएं में उड़ रहे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं फिक्र उडने़ की बजाय और बढ़ रहे हैं?

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

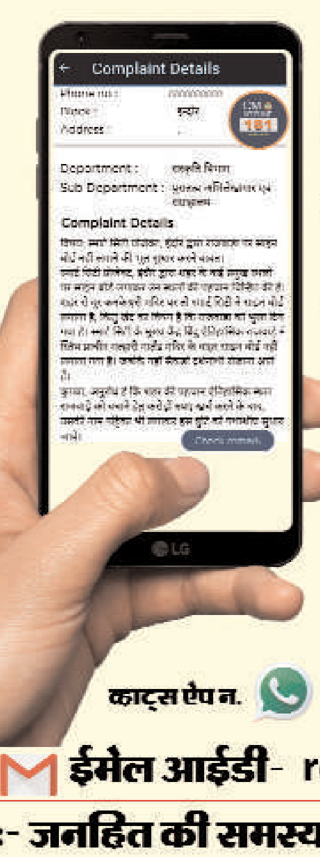

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्सएप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सोलर सेल बनाने वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ, टाटा भी है क्लाइंट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर सेल बनाने वाली कंपनी प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पैसे जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। हैदराबाद स्थित कंपनी आईपीओ के तहत 1,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा प्रवर्तकों और निवेशकों की ओर से 2.82 करोड़ तक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगी। यह कंपनी आईपीओ से पहले 300 करोड़ रुपये तक के शेयर बड़े निवेशकों को जारी कर सकती है। यदि ऐसा किया जाता है, तो आईपीओ का साइज कम हो जाएगा। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। इस आईपीओ से की गई कमाई का इस्तेमाल सहायक कंपनी, प्रीमियर एनर्जीज ग्लोबल एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीईजीईपीएल) में निवेश के लिए किया जाएगा। हैदराबाद, तेलंगाना में 4 गीगावॉट सोलर पीवी टॉपकॉन सेल और 4 गीगावॉट सोलर पीवी टॉपकॉन मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा की स्थापना पर भी पैसे खर्च होंगे। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की परिचालन आय 1,428 करोड़ रुपये थी, जबकि बीते वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर, 2023 तक यह आंकड़ा 2,017 करोड़ रुपये रहा। इस साल मार्च तक कंपनी के पास 5,300 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऑर्डर थे। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के ग्राहकों में टाटा की कंपनी टाटा पावर सोलर सिस्टम्स भी शामिल है। इसके अलावा एनटीपीसी, पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, कॉन्टिनम ग्रीन एनर्जी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, फर्स्ट एनर्जी 6 प्राइवेट लिमिटेड (थर्मैक्स ग्रुप कंपनी), ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हार्टेक सोलर प्राइवेट लिमिटेड, ग्रीन इंफ्रा विंड एनर्जी लिमिटेड भी ग्राहक हैं।

रत्न और आभूषणों का निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.17 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। रत्न और आभूषण निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2023-24 के दौरान 12.17 प्रतिशत घटकर 2,65,187.95 करोड़ रुपये (32,022.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रह गया। रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के आंकड़ों से पता चला है कि इसका अमेरिका में उच्च ब्याज दर और चीन की इकोनॉमी में धीमी रिकवरी है। जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने पीटीआई से कहा, स्त्रङ्ग23 में रत्न और आभूषण निर्यात 3,01,925.97 करोड़ रुपये (स्ठ 37,646.17 मिलियन) था। उन्होंने कहा, पिछला वित्त वर्ष सभी उत्पाद श्रेणियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। यह स्थिति मुख्य रूप से उच्च ब्याज दरों के कारण अमेरिका में मंदी के कारण बनी, जो इस सेगमेंट में निर्यात के लिहाज से भारत के लिए सबसे बड़ा बाजार है। कोविड-19 के बाद चीन के बाजार में सुधार की गति धीमी है। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष के 1,76,716.06 करोड़ रुपये (22,046.9 मिलियन अमरीकी डालर) की तुलना में वित्त वर्ष 24 के दौरान कट और पॉलिश किए गए हीरे का कुल निर्यात 25.23 प्रतिशत घटकर 1,32,128.29 करोड़ रुपये (15,966.47 मिलियन अमरीकी डालर) हो गया।

गोदरेज ग्रुप की ताले बनाने से हुई थी शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज ग्रुप देश के सबसे पुराने घरानों में से एक है। गोदरेज ग्रुप का बंटवारा शुरू हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार के लोगों ने एक-दूसरे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। अब आने वाले समय में जल्द ही शेयरों की अदला-बदली हो जाएगी। गोदरेज ग्रुप करीब 126 साल पुराना है। इस ग्रुप की शुरुआत 1897 में हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, नादिर और आदि गोदरेज ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज प्रॉपर्टीज और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के बोर्ड में अपनी सीट छोड़ दी है। अब वह जल्द ही एक-दूसरे की कंपनियों में हिस्से बेच देंगे। यह विभाजन परिवार की दो शाखाओं के बीच हो रहा है। इसमें एक तरफ आदि गोदरेज और भाई नादिर गोदरेज हैं। वहीं दूसरी तरफ उनके

चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स का नेतृत्व आदि गोदरेज और उनके भाई करते हैं। वहीं गोदरेज एंड बॉयस (जी एंड बी) का नेतृत्व जमशेद गोदरेज और उनकी बहन करती हैं। आदि ओर नादिर गोदरेज एंड बॉयस में अपने हिस्से को दूसरी शाखा को बेच देंगे। जमशेद गोदरेज और उनके परिवार के लोग गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) और गोदरेज प्रॉपर्टीज में अपने चचेरे भाइयों को पारिवारिक व्यवस्था के तहत हिस्सेदारी हस्तांतरित करेंगे। ऐसा बताया जा रहा है कि यह बंटवारा सौहाद्रपूर्ण तरीके से हो रहा है।

बन गए दो ग्रुप

इस बंटवारे से पहले गोदरेज फैमिली में पहले से ही दो बिजनेस ग्रुप बन गए हैं। इनमें से एक ग्रुप गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स है जिसे आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर गोदरेज संभालते हैं। वहीं दूसरी तरफ गोदरेज एंड बॉयस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को आदि गोदरेज के चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और स्मिता गोदरेज संभालते हैं। इस ग्रुप की पांच कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हैं। इनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट, गोदरेज एग्रोवेट, एस्टेक लाइफ साइसेंस और गोदरेज प्रॉपर्टीज शामिल हैं। इनकी वैल्यूएशन करीब 2.74 लाख करोड़ रुपये है।

ऐसे हुई थी ग्रुप की शुरुआत

गोदरेज ग्रुप की शुरुआत साल 1897 में ताले बेचने से हुई थी। आज गोदरेज ग्रुप कई सेक्टरों में कारोबार करता है। इसमें इंजीनियरिंग, इक्विपमेंट, सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स, रियल एस्टेट और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन सभी सेक्टरों में फैले कारोबार का बंटवारा किया जा सकता है।

राजनीतिक दलों के मुफ्त उपहारों पर लाना चाहिए श्वेतपत्र, पूर्व आरबीआई गवर्नर की केंद्र को सलाह

हैदराबाद एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने मुफ्त उपहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि सरकार को मुफ्त उपहार देने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही इस बारे में गहन बहस होनी चाहिए कि इस संबंध में राजनीतिक दलों पर कैसे अंकुश लगाया जाए।

सुब्बाराव ने यह भी सलाह दी कि आम जनता को इन मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बारे में लोगों को कैसे शिक्षित करे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा है और इस पर राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसका नेतृत्व केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को करना होता है। मेरा मानना है कि उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए और इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस पर कैसे लगा सकते हैं रोक

आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि लोगों को मुफ्त उपहारों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि हम इस पर कैसे रोक लगा सकते हैं और हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे कमजोर वर्गों को कुछ सुरक्षा तंत्र प्रदान करे और यह भी आत्मनिरीक्षण करे कि वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें कितना दूर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा, आपको पूछना चाहिए कि क्या यह इस धन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है या हम कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें मुफ्त उपहारों पर अधिक जागरूक होना चाहिए। साथ ही जोरदार बहस करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि हम राजनीतिक दलों पर कुछ संयम कैसे लगा सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना जरूरी

एफआरबीएम की सीमा का उल्लंघन करने वाले कुछ राज्यों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहिए और एफआरबीएम लक्ष्यों का पालन किया जाना चाहिए। एक सवाल पर सुब्बाराव ने कहा कि आईएमएफ के एक अध्ययन के अनुसार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए 2047 तक लगातार 7.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अगले 25 साल तक हर साल 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर को बनाए रखना, कुछ देशों ने ऐसा किया है, चीन ने यह किया है। लेकिन सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक, वैश्वीकरण जैसी चुनौतियों के कारण क्या हम यह कर सकते हैं।

जोमैटो को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला

कंपनी को जुर्माने सहित 11.82 करोड़ रुपये टैक्स भरने को कहा गया है

जोमैटो के शेयर कल गिरावट के साथ बंद हुए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी जोमैटो को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को भारी भरकम जीएसटी का नोटिस मिला है। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाले मंच जोमैटो को जीएसटी प्राधिकरण से 11.82 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माना देने का आदेश मिला है। कंपनी के जुलाई 2017 से मार्च 2021 के बीच भारत के बाहर स्थित उसकी सहायक कंपनियों को दी गई निर्यात सेवाओं के संबंध में यह नोटिस मिला। यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया। इसमें 5,90,94,889 रुपये की जीएसटी मांग के अलावा 5,90,94,889 रुपये का ब्याज और जुर्माना शामिल है। जोमैटो ने शुक्रवार देर शाम शेयर बाजार को बताया कि कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। इससे पहले बीते महीने मार्च में भी जोमैटो को भारी-भरकम जीएसटी नोटिस मिला था।

कंपनी को यह नोटिस कर्नाटक में कमर्शियल टैक्स (ऑडिट) के असिस्टेंट कमिश्नर से मिला था। ऑनलाइन ऑर्डर देकर खाना मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को कर अधिकारियों से 23.26 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला था। इसमें ब्याज और जुर्माना शामिल था। कंपनी ने कहा था कि वह आदेश के खिलाफ उपयुक्त प्राधिकार के समक्ष चुनौती देगी। इस बार कंपनी को नोटिस अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया है।

क्या शेयर पर दिखेगा असर

जोमैटो का शेयर कल यानी कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को करीब दो फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ था। जोमैटो का शेयर अभी 188.50 रुपये पर बंद हुआ है। हालांकि पिछले 5 दिनों से जोमैटो के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। शेयर करीब 5 फीसदी गिरा है। पिछले एक महीने में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 11 फीसदी का रिटर्न दिया है। पिछले 6 महीने की बात करें तो जोमैटो का शेयर करीब 73 फीसदी तक उछला है। पिछले एक साल में जोमैटो के शेयर ने निवेशकों को 247.79 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले समय में जोमैटो के शेयर में और उछाल आ सकता है।

66 पर जाएगा कंस्ट्रक्शन कंपनी का यह शेयर, लगातार दे रहा मुनाफा, विजय केडिया के पास हैं 1 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कुछ ऐसे भी स्टॉक हैं जिनकी कीमत 60 रुपये से कम है। ऐसा ही एक स्टॉक सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- पटेल इंजीनियरिंग का है। बीते कुछ दिनों से सुस्त पड़े इस स्टॉक पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। आनंद राठी की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक इस कंपनी के स्टॉक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं लेकिन शॉर्ट टर्म में खरीदारी बढ़ने की संभावना है। ब्रोकरेज आनंद राठी ने पटेल इंजीनियरिंग के स्टॉक को 56-58 रुपये के रेंज में खरीदारी की सलाह दी है। इसके साथ ही अनुमान लगाया है कि स्टॉक शॉर्ट टर्म में 66 रुपये के स्तर तक जा सकता है। वहीं, 53 रुपये पर स्टॉप-लॉस की सलाह दी गई है। वर्तमान में पटेल इंजीनियरिंग के शेयर की कीमत 59 रुपये है। छह फरवरी 2024 को इस शेयर की कीमत 79 रुपये तक गई।

कभी चप्पल खरीदने के लिए भी नहीं थे पैसे, आज हैं दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड दुनिया की सबसे बड़ी थॉयरॉइड टेस्टिंग कंपनी है। इस कंपनी के 950 से अधिक ब्रांडेड और 5,000 से अधिक नॉन-ब्रांडेड आउटलेट्स हैं। कंपनी के फाउंडर, चेयरमैन और एमडी ए वेलुमणि का ताल्लुक तमिलनाडु के एक गरीब परिवार से है। उनके पिता एक गरीब किसान थे, उनकी अपनी जमीन नहीं थी। वेलुमणि का जीवन गरीबी में बीता। हालत यह थी कि उनके पास कपड़े और चप्पल खरीदने के लिए भी पैसे नहीं होते थे। लेकिन वेलुमणि ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ा मुकाम हासिल किया। आज उनकी कंपनी का मार्केट कैप 3,300 करोड़ रुपये है। इसका कारोबार भारत ही नहीं बल्कि कई दूसरे देशों में भी फैला है।

वेलुमणि का जन्म तमिलनाडु में कोयंबटूर के करीब एक गरीब परिवार में हुआ। उनके तीन और भाई-बहन थे। परिवार का गुजारा करने के लिए मां दूध बेचने का काम करती थी। कई साल तक मां ने ही घर का खर्च चलाया। वेलुमणि ने अपनी स्कूलिंग गांव से पूरी की और फिर ग्रेजुएशन करने के लिए शहर चले गए। उन्होंने सारी पढ़ाई सरकारी स्कूल-

कॉलेजों से ही पूरी की है। 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने बीएससी की डिग्री पूरी की और फिर कोयंबटूर में एक छोटी सी दवा कंपनी में काम करने लगे। यहां उनकी सैलरी 150 थी। सैलरी काफी कम थी लेकिन उन्होंने फिर भी वो 100 रुपये घर मां के पास भेजते थे, और किसी तरह से 50 रुपयों में खुद का खर्च चलाते थे। लेकिन कुछ समय बाद कंपनी ही बंद हो गई और वेलुमणि बेरोजगार हो गए।

मुंबई में पहली लैब

लेकिन कहते हैं कि एक रास्ता बंद होता है तो 100 रास्ते खुल जाते हैं। कंपनी बंद होने के बाद वेलुमणि ने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में लैब असिसटेंट की पोस्ट के लिए अप्लाई किया। इसमें उनका सेलेक्शन हो गया। इसमें काम करते हुए उन्होंने अपनी आगे की पढ़ाई पूरी की और फिर साइंटिस्ट बने। 14 साल तक भाभा में काम करने के बाद वेलुमणि ने अपनी कंपनी खोलने की बात सोची। उनकी शादी सुमति वेलुमणि से हुई थी जो एसबीआई में कर्मचारी थीं। जब 1995 में उन्होंने कंपनी खोली तो उनकी बीवी ही पहली कर्मचारी थीं। कंपनी के लिए उनकी पत्नी ने जॉब छोड़ दी थी। पहली लैब मुंबई में खोली गई। वेलुमणि ने अपने पीएफ के एक लाख रुपये से यह कंपनी खोली थी। शुरुआत में उनका फोकस केवल थॉयरॉइड के टेस्ट पर था लेकिन बाद में दूसरे टेस्ट को भी इसमें शामिल किया गया।

वेलुमणि का मकसद लोगों को सस्ते में लैब की सुविधा मुहैया कराना था। शुरुआत के दिनों में रोज के केवल दो सैंपल ही आते थे। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और रात-दिन मेहनत की। धीरे-धीरे अपने बिजनस मॉडल को भी औरों से अलग बनाया। टेस्ट की लागत कम थी और ज्यादा लोगों तक पहुंच के कारण उन्हें काफी फायदा मिला। धीरे-धीरे देश के अलग-अलग हिस्सों में सैंपल लैब खोले गए। अब उनका यह कारोबार पूरे देश में अपनी पहचान बना चुका है। 2016 में उन्होंने कंपनी को लिस्ट कराया। कंपनी का आईपीओ करीब 73 गुना सब्सक्राइब हुआ और आज इसका मार्केट कैप 3,361.70 करोड़ रुपये है।

सादगीपूर्ण जीवन

हाल में एक पॉडकास्ट में वेलुमणि ने बताया कि शुरुआती दिनों में वह सैलरी नहीं लेते थे और अपनी कमाई का एक-एक पैसा कंपनी में निवेश करते थे। उनका परिवार सादगी के साथ रहता था। कंपनी का प्रॉफिट बढ़ने के बाद भी यही स्थिति रही। वह कहते हैं, शुरुआती जीवन में मेरी सफलता की प्रेरणा मेरी मां थी और मेरी बिजनस सक्सेस की वजह मेरी पत्नी थी। लेकिन 2016 में कंपनी का आईपीओ आने से कुछ ही दिन पहले उनकी पत्नी को कैंसर डिटेक्ट हुआ। वेलुमणि ने कहा, आईपीओ से 50 दिन पहले मैंने अपनी पत्नी को खो दिया था। 12 फरवरी को उनका निधन हुआ और मई में आईपीओ आया। उनकी मौत से 50 दिन पहले हमें पता चला कि उन्हें ग्रेड फोर का पैंक्रिएटिक कैंसर है। आपकी सफलता में आपके जीवनसाथी की अहम भूमिका होती है। अगर आपका जीवनसाथी आप पर भरोसा करता है तो आपकी 10 गुना बढ़ जाती है।

2023-24 में 18 फीसदी बढ़ा प्रत्यक्ष कर संग्रह, 19.58 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने रविवार को कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है।

त्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी

आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये (7.40 प्रतिशत) और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद शुद्ध आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही।

प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को दर्शाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक

बयान में कहा गया कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम), इससे पिछले वर्ष के 10 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 13.06 प्रतिशत बढ़कर 11.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह (अनंतिम) 9.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 8.26 लाख करोड़ रुपये से 10.26 प्रतिशत अधिक है।

शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह 10.44 लाख करोड़ रुपये

समीक्षाधीन अवधि में प्रतिभूति लेनदेन कर (अनंतिम) सहित सकल व्यक्तिगत आयकर संग्रह 12.01 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष के 9.67 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 24.26 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान एसटीटी (अनंतिम) सहित शुद्ध व्यक्तिगत आयकर संग्रह 10.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 8.33 लाख करोड़ रुपये से 25.23 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में 3.79 लाख करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो वित्त वर्ष 2022-23 में जारी किए गए 3.09 लाख करोड़ रुपये के रिफंड से 22.74 प्रतिशत अधिक है।

बच्चों का सामान बनाने वाली कंपनी पर लगा करोड़ों का जुर्माना, कैंसर होने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। अदालत ने जे एंड जे और केन्व्यू पर 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। एक महिला के मुकदमा दायर करने के बाद चली लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि कंपनी के बेचे गए टेल्कम बेबी पाउडर में एस्बेस्टर था। जो कि महिला के कैंसर और मौत का कारण बना था।

जॉनसन एंड जॉनसन और केन्व्यू कंपनी जो बच्चों से जुड़े प्रोडक्ट बनाने के लिए चर्चित है। अमूमन हर किसी के घर में जे एंड जे कंपनी के प्रोडक्ट मिल देखने मिलेंगे। लेकिन एक महिला ने अदालत में केस दायर किया है कि इस प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से उनके परिवार के सदस्य को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी हुई, जिससे उनकी मौत हो गई थी। कंपनी के बेचे गए टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं एस्बेस्टस जो कि मेसोथेलियोमा के पैदा होने का कारण है।

परिवार ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था कि थेरेसा गार्सिया की मौत का जिम्मेदार दोनों कंपनियों को ठहराया था। गार्सिया की बेटी स्टेफ़नी साल्सेडो ने अपने परिवार की ओर से मामला दायर किया। परिवारजनों का मानना है कि 2020 में महिला की मौत कैंसर के कारण हुई। लेकिन कैंसर एस्बेस्टस के कारण हुआ। परिवारजन का आरोप था कि कंपनी ने यह जानकर भी टेल्कम पाउडर बेच दिया, जब उनको पता था कि टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं जे एंड जे का कहना है कि उसके टैल्क-आधारित उत्पादों से कैंसर नहीं होता है।

मामले की सुनवाई शुक्रवार देर रात शिकागो में हुई थी। इसमें ज्यूरी सदस्यों ने कंपनी को 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया, जो कि पीडिता के परिवार को दिया जाना है। परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा कि परिवार आभारी है कि जूरी सदस्यों ने जे एंड जे और केनव्यू द्वारा दिए गए धोखे को देखा। और माना कि टेल्कम पाउडर कैंसर का कारण बन सकता है।

संपादकीय

नेताओं की घर वापसी का फायदा नहीं उठा पाया अकाली दल बादल

देश में हो रहे लोकसभा चुनाव के चलते पूरे भारत में चुनाव प्रचार चरम पर है। वहीं, पंजाब भी इससे अछूता नहीं है, लेकिन पंजाब की सियासी फिजा अप्रत्याशित दिशा में आगे बढ़ रही है पंजाब की सभी राजनीतिक पार्टियों के बड़े नेता अपनी वफादारी बदल कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो रहे हैं और उन पार्टियों की उम्मीदें भी बढ़ा रहे हैं। पंजाब की 5 प्रमुख पार्टियां आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, अकाली दल, भाजपा और बसपा ऐसी कोई पार्टी नहीं बची है जिसके नेता इधर-उधर न गए हों।हालांकि दल बदलने का चलन नया नहीं है और नेता लंबे समय से ऐसा करते आ रहे हैं। लेकिन अब अकाली दल बादल की स्थिति अन्य पार्टियों से कुछ अलग है। 2017 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद अकाली दल के कई बड़े नेताओं, जिनमें मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री और अकाली दल के महासचिव सुखदेव सिंह ढींडसा, लोकसभा सदस्य रणजीत सिंह ब्रह्मपुरा, रतन सिंह अजनाला और सेवा सिंह सेखवां आदि शामिल थे, ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। ब्रह्मपुरा ने अपने सहयोगियों के साथ टकसाली अकाली दल का गठन किया और सुखदेव सिंह ढींडसा ने यूनाइटेड अकाली दल का गठन किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में अकाली दल को एक बार फिर शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जब पार्टी के 100 साल के इतिहास में पहली बार अकाली दल को केवल 3 सीटें मिलीं। इस हार ने अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाद में शिरोमणि कमेटी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जगीर कौर ने भी सुखबीर सिंह बादल की पार्टी की संप्रभुता को स्वीकार करने से इंकार कर दिया और घोषणा की कि वह अकाली दल बादल के उम्मीदवार के खिलाफ शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष पद के लिए स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगी। शिरोमणि अकाली दल ने बीबी जगीर कौर को पार्टी से निलंबित कर दिया। ये सब यहीं नहीं रुका बल्कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी अकाली दल से नाता तोड़ लिया और बाद में बड़ी संख्या में दिल्ली कमेटी के सदस्यों ने अकाली दल से इस्तीफा दे दिया और अकाली दल हाशिए पर चला गया। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इन सब पर काबू पाने की योजना बनाई। श्री अकाल तख्त पर पहुंच कर सिख संगत से माफी मांगी गई। सुखबीर सिंह बादल ने अकाली दल से अलग हुए पूरे नेतृत्व से घर वापसी की अपील की और धीरे-धीरे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना और मंजीत सिंह जी.के. समेत कई नेता अकाली दल में शामिल हो गए। बाद में, सुखबीर सिंह बादल यूनाइटेड अकाली दल के अध्यक्ष सुखदेव सिंह ढींडसा और बीबी जगीर कौर को फिर से पार्टी में शामिल करने में सफल रहे। इस तरह सुखबीर सिंह बादल एक बार लोकसभा चुनाव से पहले यह संदेश देने में कामयाब रहे और वह अकाली दल को एकजुट करने में लगभग सफल हो गए हैं। हालांकि, जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, सुखबीर सिंह बादल के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। अकाली दल को एकजुट करने की उनकी मुहिम जोर पकड़ती नजर आ रही है। अकाली नेता सिकंदर सिंह मलूका के बेटे और उनकी आई.ए.एस. पत्नी ने नौकरी छोड़कर अकाली दल को अलविदा कह दिया और भाजपा में शामिल हो गए। इसके अलावा दोआबा में अकाली दल का दलित चेहरा माने जाने वाले पूर्व विधायक पवन टीनू भी अकाली दल छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं, जिससे अकाली दल को गहरा झटका लगा। टीनू के साथ जिला जालंधर शहरी के पूर्व अध्यक्ष गुरचरण सिंह चन्नी भी अकाली दल को छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। चुनाव के लिए नामांकन भरने में अभी काफी समय है और यह कहना मुश्किल है कि यह सिलसिला कब रुकेगा।

चुनावी चक्कर में बिखर रहे परिवार

अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के सामने एनसीपी संस्थापक शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले खड़ी हैं जिससे पहले से छिन्न-भिन्न पवार परिवार में और कलह बढ़ गई है। ननद-भाभी के बीच की लड़ाई ने चाचा-भतीजा के आपसी मतभेद को मनभेद में बदल दिया है। शरद पवार किसी भी कीमत पर सुप्रिया सुले को जिताना चाहते हैं जबकि अजीत पवार अपनी पत्नी के सहारे अपने चाचा को राजनीतिक रूप से समाप्त करना चाहते हैं। यह तभी संभव है, जब वे चाचा से बारामती छीन लें क्योंकि चाचा की राजनीतिक गर्भनाल बारामती है। एक बार बारामती से चाचा को दूर किया तो पूरी राजनीतिक विरासत पर अजीत पवार का कब्जा हो जाएगा। तब सुप्रिया सुले को भी उनकी सरपरस्ती में आना होगा और यही शरद पवार नहीं चाहते इसलिए शरद पवार सुप्रिया की जीत में कोई कसर नहीं छोड़ रहे किंतु क्षेत्र में अजीत पवार का भी खासा समर्थक वर्ग है जो शरद पवार को चिंतित कर रहा है। राजनीतिक विरासत के चलते टूट चुके पवार परिवार की वैचारिक लड़ाई अब परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी दुविधा का कारण बन रही है।

सिद्धार्थ शंकर गौतम

देश की राजनीति ऐसी होती जा रही है कि समाज में ही बंटवारा नहीं हो रहा बल्कि घरों में भी फूट पड़ रही है और पति पत्नी के रिश्ते तक बिखर रहे हैं। मध्य प्रदेश की बालाघाट लोकसभा सीट पर इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है जहां पति पत्नी के दिलों में राजनीति ने दरार पैदा कर दी है।

1989 में बालाघाट से निर्दलीय सांसद कंकर मुंजारे परसवाड़ा विधानसभा सीट से 1985 में जनता पार्टी की टिकट पर, 1993 में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी से और 1998 में पुनः जनता पार्टी की टिकट पर विधायक चुने गए थे जबकि इनकी पत्नी अनुभा मुंजारे सात बार विधानसभा चुनाव और तीन बार सांसदी का चुनाव लड़ने के पश्चात आखिरकार 2023 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में बालाघाट विधानसभा सीट से पहली महिला विधायक बनने में सफल हुईं।

इस हिसाब से कंकर मुंजारे का राजनीतिक अनुभव अपनी पत्नी के मुकाबले अधिक है जिसे अनुभा भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार करती हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि वे अपने पति के चलते ही राजनीति में आई अन्यथा वे स्कूल में अध्यापिका होतीं। विपरीत वैचारिक मत के बाद भी दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं किंतु लोकसभा चुनाव में अब एक-दूसरे पर जमकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

दरअसल, कंकर मुंजारे इस बार बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर बालाघाट संसदीय सीट से लोकसभा प्रत्याशी हैं जबकि उनकी पत्नी कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह सरस्वार के लिए वोट मांग रही हैं। हालांकि ऐसा पहले भी हुआ है कि एक ही परिवार के सदस्य भिन्न प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करें किंतु इन पति-पत्नी का मामला अनोखा होता जा रहा है। कंकर मुंजारे ने वैचारिक मतभेद के चलते अपना घर छोड़कर बालाघाट से 20 किलोमीटर दूर खेत में झोपड़ी बना ली है और वे वहीं रह रहे हैं जबकि उनकी पत्नी अपने बेटे के साथ घर में रहती हैं।

कंकर मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह पर राजनीतिक हमले करने के बजाए अपनी विधायक पत्नी पर क्षेत्र की अनदेखी करने और ओलावृष्टि के समय मथुरा-वृन्दावन घूमने का आरोप लगा रहे हैं जिस पर उनकी पत्नी सब आपसे ही सीखा है कहकर कंकर मुंजारे को असहज कर रही हैं। कंकर तो यहां तक भी बोल गए कि यदि अनुभा उनकी पत्नी न होतीं तो वे विधायक बनने के लायक ही नहीं थीं।

दोनों के बीच वैचारिक मतभेद उनके घर पर भी दिख रहा है जहां कांग्रेस का झंडा लगा है और बसपा का झंडा कंकर मुंजारे ने उतारकर अपनी झोपड़ी पर लगा दिया है। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के मतदान में बालाघाट सीट पर जब मतदान पूर्ण होगा, उसके बाद कंकर मुंजारे ने अपने घर वापस जाने की बात कही है किंतु जो राजनीतिक अलगाव दोनों में हो गया है, उससे क्या इनका आपसी सामंजस्य और वैवाहिक जीवन पटरी पर आ पाएगा, यह मध्य प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है।

यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि कंकर मुंजारे कांग्रेस से लोकसभा का टिकट मांग रहे थे जो उन्हें नहीं मिला और अनुभा मुंजारे जिन सम्राट सिंह का चुनाव प्रचार कर रही हैं, उनके पिता अशोक सिंह सरस्वार से वे स्वयं दो बार विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं।

शरद पवार के गढ़ बारामती लोकसभा में भी स्थिति ऐसी बन गई है जो आम जनता के साथ ही पवार परिवार को असहज कर रही है। अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के सामने एनसीपी संस्थापक शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले खड़ी हैं जिससे पहले से छिन्न-भिन्न पवार परिवार में और कलह बढ़ गई है। ननद-भाभी के बीच की लड़ाई ने चाचा-भतीजा के आपसी मतभेद को मनभेद में बदल दिया है। शरद पवार किसी भी कीमत पर सुप्रिया सुले को जिताना चाहते हैं जबकि अजीत पवार अपनी पत्नी के सहारे अपने चाचा को राजनीतिक रूप से समाप्त करना चाहते हैं। यह तभी संभव है, जब वे चाचा से बारामती छीन लें क्योंकि चाचा की राजनीतिक गर्भनाल बारामती है। एक बार बारामती से चाचा को दूर किया तो पूरी राजनीतिक विरासत पर अजीत पवार का कब्जा हो जाएगा। तब सुप्रिया सुले को भी उनकी सरपरस्ती में आना होगा और यही शरद पवार नहीं चाहते।इसलिए शरद पवार सुप्रिया की जीत में कोई कसर नहीं छोड़ रहे किंतु क्षेत्र में अजीत पवार का भी खासा समर्थक वर्ग है जो शरद पवार को चिंतित कर रहा है। राजनीतिक विरासत के चलते टूट चुके पवार परिवार की वैचारिक लड़ाई अब परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी दुविधा का कारण बन रही है।

2019 में लोकसभा चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस के नेता सौमित्र खान ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था और विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद भी बन गए। उनके चुनाव प्रचार में उनकी पत्नी सुजाता मंडल ने दिन-रात एक कर दिए किंतु 2022 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सुजाता मंडल ने भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ले ली जिससे उखड़कर सौमित्र खान ने सुजाता मंडल से तलाक ले लिया।

दोनों राजनीति की अलग-अलग पटरियों पर सरपट दौड़ रहे थे किंतु लोकसभा चुनाव ने दोनों को पुनः एक-दूसरे के सामने ला खड़ा किया। सौमित्र खान विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं जबकि सुजाता मंडल को तृणमूल कांग्रेस ने इसी लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब दोनों पति पत्नी एक-दूसरे पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं जबकि दोनों ने 2016 में प्रेम विवाह किया था। कई बार यह भड़ास एक-दूसरे को नीचा दिखाने तक भी पहुंच रही है जिसे क्षेत्र की जनता चटखारे लेकर सुन रही है।

ये चंद उदाहरण पर्याप्त हैं राजनीति में आई गिरावट को पुष्ट करने के लिए। एक समय प्रतिद्वंद्वी आपसी सम्मान तथा वैचारिक मतभिन्नता को राजनीतिक लाभ-हानि के आड़े नहीं आने देते थे किंतु अब राजनीतिक मतभिन्नता पारिवारिक रिश्तों पर भारी पड़ने लगी है। चूंकि वर्तमान में राजनीति सत्तासुख का पर्याय बन गई है अतः रिश्तों को भी अधिक फर्क नहीं पड़ रहा। सभी मात्र सत्तासुख के भूखे हैं और येन-केन-प्रकारेण स्वयं सत्ता सुख भोगना चाहते हैं, फिर भले ही पारिवारिक मूल्यों तथा रिश्तों की बलि ही क्यों न चढ़ जाए।

कभी नेहरु गांधी परिवार में निजी रिश्तों में खटास की वजह से संजय गांधी और राजीव गांधी के परिवार ने अपना रास्ता अलग कर लिया था। आज अलग होकर भी अपनी जीत सुनिश्चित करने का यह नशा नीचे तक पहुंच चुका है। राजनीतिक जागरुकता अपनी जगह लेकिन चुनावी टकराव की वजह से नेता से लेकर वोटर तक के परिवार में जिस तरह का बिखराव हो रहा है, वह कहीं से स्वागतयोग्य नहीं कहा जाएगा।

अध्यात्म

कष्टों में तपकर बने खरा सोना

दंडी स्वामी बहुत बड़े विद्वान थे। वे सत्य के आग्रही थे और अहंकार व पाखंडी से दूर रहते थे। उनका आश्रम मथुरा में था। उसने शिक्षा पाने दूर-दूर से लोग आते थे। उनके शिष्यों में दयानंद भी थे। सभी शिष्यों के मध्य आश्रम के कार्यों का स्पष्ट विभाजन था, किन्तु दयानंद से अधिक काम लिया जाता था। उन्हें भोजन भी कम दिया जाता, जिसमे मात्र गुड़ व भुने हुए चने होते थे।

रात में पढ़ने के लिए प्रकाश की सुविधा भी उन्हें नहीं दी जाती थी। जबकि दूसरे शिष्यों को अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्राप्त थी।

स्वामी जी के शिष्य दयानंद के प्रति उनके इस व्यवहार से चकित थे और परस्पर बातचीत में इसकी निंदा भी करते थे, किन्तु दयानंद को गुरु की निंदा अच्छी नहीं लगती थी।

वे अन्य शिष्यों को ऐसा करने से रोकते थे और सदैव खुश रहकर गुरु की आज्ञा का पालन करते थे।

एक दिन एक शिष्य ने स्वामी जी से इसका कारण पूछा, तो वे मौन ही रहे।

अगले दिन उन्होंने अपने शिष्यों के मध्य शास्त्रार्थ करने का निर्णय लिया। सभी शिष्यों को बुलाकर उन्हें बहस हेतु एक विषय दे दिया, उन्होंने सारे शिष्यों को एक तरफ और दयानंद को अकेले दूसरी तरफ बैठाया। शास्त्रार्थ शुरू हुआ तो सभी शिष्यों पर दयानद भाड़ी पड़े और जीत गए। तब दंडी स्वामी ने शेष शिष्यों से कहा - देखा आप लोगों ने, दयानंद अकेला आपसे लोहा ले सकता है, क्योंकि वह हर काम पूर्ण समर्पण से करता है।

दयानंद खरा सोना है और सोना आग में तपकर ही निखरता है। यही दयानंद आगे चलकर भारत के महँ समाज सुधारक दयानंद सरस्वती के नाम से विख्यात हुए।

कथासार यह है कि माता-पिता व गुरु के द्वारा सौंपें गए कार्य बिना शिकायत व पूर्ण समर्पण से करने पर कार्यकुशलता व ज्ञान की वृद्धि होती है।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों की कमी नहीं ...

दरअसल, सदुपयोग करने के बरक्स आज सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों की कमी नहीं है। आज फेसबुक और इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर बहुत कम अवधि के रील बनाने और उसे सोशल मीडिया के किसी मंच पर जारी करने वालों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। कई बार लोग वीडियो बनाने के चक्कर में ऐसे-ऐसे खतरनाक कदम उठाते हैं कि अपनी जान भी गंवा बैठते हैं। पर खेद की बात यह है कि कई लोग दूसरे लोगों की भावना को ठेस पहुंचाने के लिए ही वीडियो बनाते हैं। जहां बात आस्था की होती है, वहां तर्क का कोई काम नहीं होता। हर धर्म में कई ऐसी बातें हो सकती हैं, जिसे तर्क की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता। मगर सोशल मीडिया पर इसे लेकर एक विचित्र नासमझी दिखती है।

विनय कुमार पाठक

इसमें कोई दो मत नहीं कि यह सोशल मीडिया का युग है। सोशल मीडिया के अनेक लाभ हैं, इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है। स्मार्टफोन और हर जगह नेटवर्क की उपलब्धता ने सोशल मीडिया से जुड़े रहने को बहुत ही आसान बना दिया है। इसके कारण हम हमेशा अपने मित्रों रिश्तेदारों से आभासी संपर्क में तो रहते ही हैं, अनजान लोगों से भी संपर्क बना लेते हैं। विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले से आभासी दुनिया में मित्रता की जा सकती है। हमें अपनी प्रतिभा और अपना शौक भी दुनिया के साथ साझा करने का अवसर सोशल मीडिया के कारण उपलब्ध हो पाता है। यह निश्चित रूप से इसके वे फायदे हैं, जो प्रत्यक्ष दिखते हैं और आजकल के दौर में हम सब इसे देख-समझ और महसूस कर सकते हैं। पर जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, उसी प्रकार सोशल मीडिया के भी दो पहलू हैं। एक ओर इससे कई लाभ हैं और हम सब न सिर्फ अक्सर इसे गिनाते रहते हैं, बल्कि इस दुनिया में इस तरह गुम रहते हैं तो इसके पीछे हमारा तर्क यही होता है कि यह फायदेमंद है। मगर दूसरी ओर इसके नुकसान भी हैं।

हमारे व्यस्त होने में सोशल मीडिया पर मौजूद जिस भी सामग्री की भूमिका हो, हम उसके ऐसे लती हो जाते हैं कि वह एक तरह की जकड़बंदी होती है। मगर इसके समांतर दूसरे स्तर पर देखें तो अश्लील और अर्ध-अश्लील सामग्री से इंटरनेट का संसार अटा पड़ा है। इस जाल में फंसने के बाद इससे निकलना एक बड़ी चुनौती होती है। मगर इससे आगे सामाजिक प्रभाव वाली परिस्थितियां ज्यादा चिंताजनक हैं। कुछ मामलों में भीड़ हिंसा या भीड़ के हाथों हत्या जैसी जघन्य घटना भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने के कारण घटी है। इससे हम समझ सकते हैं कि इसके दुष्प्रभावों का स्तर क्या हो सकता है।

कोई भी माध्यम उपयोग करने वाले की नीयत और प्रकृति पर निर्भर करता है। परमाणु शक्ति का प्रयोग विध्वंस के लिए भी किया जा सकता है तो ऊर्जा संयंत्र के लिए भी। एक चाकू का प्रयोग किसी की जान लेने के लिए भी हो सकता है तो चिकित्सक इसका प्रयोग किसी की जान बचाने के लिए करता है। कहा भी गया है कि विष, जो प्राणों के लिए खतरा होता है, उसे भी विष के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए औषधि के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है।

दरअसल, सदुपयोग करने के बरक्स आज सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वालों की कमी नहीं है। आज फेसबुक और इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर बहुत कम अवधि के रील बनाने और उसे सोशल मीडिया के किसी मंच पर जारी करने वालों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। कई बार लोग वीडियो बनाने के चक्कर में ऐसे-ऐसे खतरनाक कदम उठाते हैं कि अपनी जान भी गंवा बैठते हैं। पर खेद की बात यह है कि कई लोग दूसरे लोगों की भावना को ठेस पहुंचाने के लिए ही वीडियो बनाते हैं। जहां बात आस्था की होती है,

वहां तर्क का कोई काम नहीं होता। हर धर्म में कई ऐसी बातें हो सकती हैं, जिसे तर्क की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता। मगर सोशल मीडिया पर इसे लेकर एक विचित्र नासमझी दिखती है।

सकारात्मक नकारात्मक सोच वाले लोग दूसरे धर्म की कमियों को दिखाने के लिए तरह तरह के वीडियो जारी कर देते हैं। इससे उस संबंधित धर्म के लोगों की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचना स्वाभाविक है, जिस धर्म के विरुद्ध कुछ अशोभनीय लिखा या दिखाया गया है। नतीजतन, प्रतिशोध की भावना से दूसरी ओर से भी जवाब में ऐसे वीडियो जारी किए जाते हैं, जो दूसरे धर्म के लोगों की भावना को ठेस पहुंचाते हों।

इस प्रकार एक दुश्चक्र बन जाता है जो एक दूसरे धर्म के लोगों की धार्मिक भावना को आहत कर समाज में असहिष्णुता फैलाता है। इस तरह के कृत्य अविवेकशील लोगों के द्वारा किए जाते हैं। विवेक से लैस लोगों को चाहिए कि इस प्रकार की गतिविधियों पर कोई प्रतिक्रिया न दें, मगर अफसोस कि कई बार सोचने-समझने वाले लोग भी ऐसे विवादों में सक्रियता से हिस्सा लेते हैं।

इससे इस तरह के विवादों का विस्तार ही होता है। कुछ ऐसे लोगों के विरुद्ध टिप्पणियां की जाती हैं, जिनका समाज के एक वर्ग के ऊपर काफी नकारात्मक प्रभाव होता है। इससे सामाजिक सौहार्द भी बिगड़ता है।

जरूरी है कि इस तरह के बेकार विवादों से बचकर रहा जाए सोशल मीडिया के समाज विरोधी उपयोग करने वालों से। यों कहने को इसका नामकरण सोशल मीडिया के रूप में किया गया है, जिसका अर्थ यह होना चाहिए कि इन मंचों पर एक नया समाज बने। सवाल है कि समाज का स्वरूप क्या होता है? सहयोग, सद्भाव और संवेदना जैसे तत्त्वों की जो प्रचुरता जमीनी स्तर पर समाज में पाई जाती है, उसका कितना अंश सोशल मीडिया पर बने कथित समाज में वास्तव में दिखता है। अगर किसी व्यक्ति ने अपने दुख या अपनी खुशी सोशल मीडिया पर साझा की, तो उसके प्रति जरूरी संवेदना जताने के लिए सैकड़ों-हजारों लोगों का संदेश आ जाएगा।

मगर वास्तव में जिस तरह किसी के पास होने और उसकी मदद की दरकार होती है, उससे दुख-सुख साझा करके वास्तविक सहयोग प्राप्त करने की जो उम्मीद होती है, वह सोशल मीडिया पर शायद ही कभी पूरी होती है। जबकि जमीनी स्तर के समाज का यही सब जीवन तत्त्व रहा है। जाहिर है, इंटरनेट के आभासी समाज और वास्तविक समाज में यही फर्क है, जो एक स्तर पर सच और कल्पना की दुनिया से परिचित कराता है।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

पुरानी उधारी चुकाने का दबाव रहेगा। मित्रों की छोटी-मोटी बातों को तूल न दें। जीवनसाथी आपसे काफी प्रसन्न रहेगा। मित्रों के लिये उपहार खरीद सकते हैं।

वृषभ

दाम्पत्य सम्बन्धों में प्रेम भाव बढ़ेगा। बच्चों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। धर्म-कर्म में आपकी स्वाभाविक रुचि और बढ़ेगी।

मिथुन

आज आपकी दिनचर्या काफी अस्त-व्यस्त रहेगी। घरवालों के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे। फाइनेंस से जुड़े मामलों में हानि हो सकती है।

कर्क

कुछ नया सीखने को प्राप्त होगा। आज आपको फर्जी फोन कॉल्स से सावधान रहना चाहिये। उच्च स्तरीय शोध कार्यों में आप जुड़ सकते हैं।

सिंह

राजनीति से जुड़े लोगों को कठिनाई होगी। महँगी वस्तुओं की ख़रीदारी कर रहे हैं तो बजट का ध्यान रखें। अपयश जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती है।

कन्या

आज आप शेयर मार्केट से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। सन्तान को लेकर समस्या दूर होगी।

तुला

आईटी और बैंक से जुड़े लोगों को करियर में अच्छे, नये और उत्तम विकल्प मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में किसी पर भरोसा न करें।

वृश्चिक

परिजनों को लेकर काफी चिन्ता रहेगी। जीवनसाथी से सुझाव लेकर काम करना हितकारी होगा। विरोधी पक्ष आपके प्रति परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

धनु

आज जीवनसाथी आपसे कुछ शिकायत कर सकता है। बीमा सम्बन्धित कारोबार से लाभ मिलेगा। जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है। आलस्य में आपको समय बर्बाद नहीं करना चाहिये।

मकर

आज आपके सभी काम शान्तिपूर्वक पूर्ण होंगे। छात्र करियर को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे। परिवार का खर्च बढ़ सकता है। घर की मरम्मत आदि की योजना बना सकते हैं।

कुंभ

कार्यक्षेत्र में आपके टीमवर्क की प्रशन्सा होगी। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। शाम को परिवार के साथ कहीं घूमने के लिये जा सकते हैं।

मीन

भौतिक सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ बहसबाजी में न पड़ें। कार्यक्षेत्र में टीमवर्क के साथ काम करने से लाभ मिलेगा।

अभिषेक शर्मा 12 गेंदों में 46 रन बनाने के बावजूद किस बात से घबराए

युवराज सिंह मुझसे खफा होंगे क्योंकि...

नईदिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा आईपीएल 2024 में अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से जमकर सुर्खिया बटोर रहे हैं। उन्होंने अब तक सात मैचों में 215.96 के स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए हैं। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी कमाल की पारी खेली। उन्होंने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 12 गेंदों में 46 रन बनाए, जिसमें दो चौके और 6 सिक्स शामिल हैं। अभिषेक ने ट्रैविस हेड (32 गेंदों में 89, 11 चौके, 6 छक्के) के साथ पहले विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की। हालांकि, तूफानी पारी खेलने के बावजूद अभिषेक एक बात को लेकर घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह दिल्ली के विरुद्ध उनके आउट होने के तरीक से खफा होंगे। अभिषेक को स्पिनर कुलदीप यादव ने सातवें ओवर की दूसरी गेंद पर पवेलियन की राह दिखाई थी। कुलदीप ने फुलर गेंद डाली, जिसके बाद अभिषेक ने ड्राइव किया लेकिन कवर पर अक्षर पटेल को कैच थमा बैठे। अक्षर ने आगे की ओर डाइव लगाकर कैच लिया।

अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद कहा, जिस तरह से मैं आउट हुआ, उससे युवराज सिंह मुझसे खफा होंगे लेकिन कुल मिलाकर वह मेरी प्रोग्रेस से खुश होंगे। उन्होंने कड़ी मेहनत की है। बता दें कि युवराज 23 वर्षीय ऑलराउंड अभिषेक के मेंटॉर हैं। अभिषेक घरेलू क्रिकेट में पंजाब की ओर से खेलते हैं। युवराज भी पंजाब टीम से खेलते थे। अभिषेक ने युवराज के साथ ट्रेनिंग की है, जिससे उन्हें आईपीएल में दमदार प्रदर्शन करने में मदद मिल रही है। अभिषेक और हेड ने शुरुआती 6 ओवर में 125 रन जोड़े, जो टी20 क्रिकेट का पावरप्ले में सबसे बड़ा स्कोर है। हैदराबाद ने 266/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। नितीश रेड्डी ने 37 रन का योगदान दिया। शाहबाज अहमद ने नाबाद 59 रन की पारी खेली। जवाब में दिल्ली की टीम 199 रन पर ऑलरआउट हो गई। एसआरएच ने 67 रन से विजयी परचम फहराया। दिल्ली के लिए जेक फ्रेजर-मैकगर्क (65) ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अभिषेक पोरेल ने 42 और कप्तान ऋषभ पंत ने 44 रन जुटाए।

टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने को तैयार दिनेश कार्तिक

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में खेलने के लिए तैयार हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना कोलकाता नाइटराइडर्स के से होगा। इस मैच से पहले आरसीबी के विकेटकीपर कार्तिक ने कहा, मेरे जीवन के इस पड़ाव पर, भारत का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी खुशी होगी। मैं इसके लिए 100त्न तैयार हूं। मैं टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्तिक ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। तब से उन्होंने भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला। इस दौरान वे कमेंट्री करते नजर आए।

आईपीएल के इस सीजन में 7 मैचों में दो अर्धशतक लगाए

38 साल के दिनेश कार्तिक आईपीएल के इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 7 मैचों में 205.45 के स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ सेंचुरी शामिल है। वे मौजूदा सीजन में टीम के तीसरे टॉप स्कोरर हैं।

टी-20 इंटरनेशनल में दिनेश कार्तिक

कार्तिक ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए अब तक 60 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 686 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 142.62 रहा है। टी-20 इंटरनेशनल में उनके नाम एक अर्धशतक है।

टी-20 वर्ल्ड कप में दिनेश कार्तिक का प्रदर्शन

दिनेश कार्तिक ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कार्तिक ने भारत के लिए 2007, 2010 और 2022 का वर्ल्ड कप खेला है। उन्होंने अब तक टी-20 वर्ल्ड कप में 10 मैच खेले हैं, इसमें उनके नाम केवल 71 रन ही हैं। यहां उनका स्ट्राइक रेट 97.26 है।

टेनिस स्टार गार्बाइन मुगुरुजा ने संन्यास का ऐलान किया

●दो ग्रैंड स्लैम जीते, जनवरी 2023 के बाद से टेनिस कोर्ट में नहीं उतरी, साल 2016 में फ्रेंच ओपन जीता।

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी गार्बाइन मुगुरुजा ने 30 साल की उम्र में ही पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने ये फैसला लंबे समय से टेनिस से दूर रहने की वजह से किया है। मुगुरुजा 2023 जनवरी से टेनिस नहीं खेली हैं। उन्होंने शनिवार को मैड्रिड में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और अपनी जिंदगी में एक नया अध्याय खोलने का समय आ गया है।

विलियम्स बहनों को ग्रैंड स्लैम फाइनल में हरा चुकी हैं

मुगुरुजा विलियम्स बहनों को ग्रैंड स्लैम फाइनल में हराने वाली इकलौती खिलाड़ी हैं। उन्होंने साल 2016 में फ्रेंच ओपन के फाइनल में सेरेना विलियम्स को और 2017 में विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। वहीं स्पेनिश खिलाड़ी मुगुरुजा के नाम 10 करियर खिताब है। वह 2015 विम्बलडन तथा 2020 आस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं गार्बाइन मुगुरुजा ने 2017 में विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया कर खिताब अपने नाम किया था।

1998 के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली स्पेनिश खिलाड़ी

मुगुरुजा के पिता स्पेनिश हैं। जबकि मां वेनेजुएला की हैं। मुगुरुजा ने टेनिस का प्रशिक्षण लेने के लिए बार्सिलोना चली गईं। उन्होंने 2016 में फ्रेंच ओपन जीता। वह 1998 फ्रेंच ओपन में अरांत्सा सांचेज़ विकारियो के बाद ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीतने वाली पहली स्पेनिश महिला बनीं।

दिल्ली में ट्रैविस हेड का तूफान

नईदिल्ली, एजेंसी। । आईपीएल 2024 में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच टूर्नामेंट का 35वां मैच दिल्ली में खेला गया।

हालांकि, मैदान का वेन्यू जरूर बदला है लेकिन हैदराबाद की बल्लेबाजी का अंदाज नहीं। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2024 में बल्लेबाजी के नए रिकॉर्ड स्थापित करने की आदत बना ली है और यह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी जारी रहा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसआरएच की ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की ओपनिंग जोड़ी ने पावरप्ले में ही बोर्ड पर 100 से अधिक रन जोड़ लिए। खासतौर पर हेड ने दिल्ली के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी। हेड 32 गेंदों पर 89 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 278.11 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें 11 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं अभिषेक शर्मा ने 12 गेंदों पर 46 रन ठोक डाले जिसमें दो चौके और 6 छक्के शामिल थे। अभिषेक ने 383.33 के स्ट्राइक रेट से रन जोड़े।

हैदराबाद ने तोड़े ये रिकॉर्ड्सटी20 में सबसे तेज 100 रन जो सिर्फ सिर्फ पांच ओवर में आए।किसी भी टी20 में पावरप्ले में सर्वाधिक स्कोर। इस जोड़ी ने पहले 6 ओवर में 125 रन का विशाल स्कोर बनाया।

विनेश फोगाट ने जीता ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की विनेश फोगाट ने शनिवार को एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की लॉरा गनिक्यज़ी को 10-0 से हराकर पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया। एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल चैंपियन फोगाट ने लॉरा गनिक्यजी के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 4 मिनट 18 सेकंड में मुकाबला जीत लिया।

इटली के मिलान में सुहाना ले रही हैं छुट्टियों का आनंद

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इटली में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। सुहाना ने स्ट्रीमिंग फिल्म द आर्चीज से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर इटली में अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में, उन्हें इटली की गलियों में घूमते, स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते, मिलान की सुंदरता को देखते और नए फैशन आउटफिट आज़माते हुए देखा जा सकता है।

सनी लियोनी ने शुरू की अपने अगले मलयालम प्रोजेक्ट की शूटिंग

एक्ट्रेस सनी लियोनी एक नए प्रोजेक्ट के साथ मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्ट्रेस-एंटरप्रेन्योर ने पहले ही अनाम मलयालम प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। एक वीडियो, जिसमें सनी को टीम के साथ मुहूर्त पूजा करते हुए दिखाया गया है, ऑनलाइन सामने आया है और इसने फैंस को उत्साहित कर दिया है। कुछ सबसे बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनने के बाद, एक्ट्रेस-एंटरप्रेन्योर की इस आगामी फिल्म ने उनकी शानदार फिल्मोग्राफी में एक सुनहरा पंख जोड़ दिया है। कैनेडी एक्ट्रेस के इस दिलचस्प प्रोजेक्ट ने दर्शकों को यह जानने के लिए उत्सुकता से इंतजार करवा दिया है कि सनी अपने सशक्त स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय कौशल के साथ दर्शकों को कैसे करेंगी एंटरटेन। सनी लियोनी ने इससे पहले ममूटी की मधुराजा में गेस्ट अपीयरेंस किया था। उन्होंने पहले दो मलयालम फिल्मों की घोषणा की थी, जिनका नाम रंगीला और शेरो है, जो अभी रिलीज़ नहीं हुई हैं। इस बीच, सनी लियोनी फिलहाल स्प्लिट्सविला ङ्क5 की लेटेस्ट सीरीज़ को होस्ट कर रही हैं।

शादी के 17 साल

ऐश्वर्या ने लुटाया अभिषेक पर प्यार, फैमिली तस्वीर में आराध्या ने लूट ली लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्तों के बारे में चाहे दुनिया में कितनी भी बातें क्यों ना हो लेकिन ये कपल हमेशा ही वह सभी को नजरअंदाज कर देते हैं। बीते कई महीनों से दोनों के बीच अनबन की कई खबरें आईं। इतना ही नहीं बच्चन बहू के घर छोड़ने की खबर ने भी खूब चर्चा बटोरी पर बिना कुछ कहे इस कपल को लोगों के मुंह पर भी ताला लगाना भी उन्हें बखूबी आता हैं। अब 20 अप्रैल को इनके शादी की सालगिरह थी। इस खास दिन पर कपल की एक झलक पाने के लिए आतुर थे। पूरी दिन बीत गया। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्तों के बारे में चाहे दुनिया में कितनी भी बातें क्यों ना हो लेकिन ये कपल हमेशा ही वह सभी को नजरअंदाज कर देते हैं। बीते कई महीनों से दोनों के बीच अनबन की कई खबरें आईं। इतना ही नहीं बच्चन बहू के घर छोड़ने की खबर ने भी खूब चर्चा बटोरी पर बिना कुछ कहे इस कपल को लोगों के मुंह पर भी ताला लगाना भी उन्हें बखूबी आता हैं। अब 20 अप्रैल को इनके शादी की सालगिरह थी। इस खास दिन पर कपल की एक झलक पाने के लिए आतुर थे। पूरी दिन बीत गया। मगर कोई पोस्ट नहीं किया गया मगर रात में ऐश्वर्या राय और अभिषेक दोनों ने एक-एक फोटो शेयर की जिसको देखने के बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

करण जौहर का घर कियाए पर लेने को इमरान खान ने बताया अफवाह!

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान कई सालों से लाइमलाइट से दूर हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि शोबिज से दूर जाने के बाद वह साधारण जीवन जी रहे हैं। अपना पाली स्थित आलीशान बंगला छोड़ वह खाली अपार्टमेंट में शिफ्ट हो गए। अपनी पत्नी अवंतिका से अलग होने के बाद उनके जीवन में कई बदलाव आए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने करण जौहर का घर किराए पर लेने की खबर पर भी चुप्पी तोड़ी है। फिल्म कंपैनियन को दिए इंटरव्यू में इमरान ने कहा कि पांच साल पहले ही वह अपने पाली वाले बंगले को छोड़ चुके हैं। ये उस वक्त की बात है जब उनका अवंतिका के साथ सेपरेशन हुआ था। इमरान ने कहा, मैंने एक खाली जगह पर बसने से शुरुआत की। मैंने अपनी जरूरतों के हिसाब से सामान लाना शुरू किया।

मेरे पास एक टीवी था क्योंकि मुझे फिल्में देखना पसंद था और एक सोफा। इसके बाद धीरे-धीरे मैंने सामान लाना शुरू किया जिसकी मुझे वास्तव में जरूरत थी। मेरे पास कोई लिव-इन स्टाफ नहीं था, मेरे पास एक इंसान था जो भारी सफाई करने के लिए हर दूसरे दिन आता था, लेकिन मैंने अपने लिए एक डायसन वैक्यूम क्लीनर खरीदा था और कहा कि मैं खुद सफाई करूंगा। अगर मेरे पास तीन प्लेट हैं, एक-एक हर मील के लिए है। एक नाश्ते की, एक लंच की और एक डिनर की तो धोने के लिए बस तीन प्लेट होती थी, तो कितनी ही गंदगी होती। एक्टर ने बताया कि उनका खाना उनकी मां के घर से आता था। लंबे समय से उन्हें लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने और उनकी गर्लफ्रेंड लेखा वाशिंगटन ने करण जौहर का घर किराये पर लिया। इस खबर पर इमरान खान ने कहा, फिर से, यह उन चीजों में से एक है जिसे मैं कभी भी पूरी तरह से समझ नहीं पाया हूं।

संक्षिप्त समाचार

घर के सामने खड़ी कार देख वकील को आया गुस्सा, बहस के बाद फायरिंग

नई दिल्ली , एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार एरिया में एक वकील ने अपने घर के सामने वाली जगह पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर 23 साल के युवक पर गोली चला दी। गनीमत यह रही की युवक को गोली नहीं लगी। मगर एक गोली उसकी गाड़ी को पार करके निकल गई। जिसके बाद आरोपी पर जान से मारने की कोशिश का केस दर्ज दिया गया है। पुलिस ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। घटना मयूर विहार के पॉकेट ई में रात करीब 10 बजे घटी। यह महानगरों में अक्सर सीमित पार्किंग की वजह से होने वाले मामूली विवाद के हिंसा में बदल जाने का उदाहरण है। लेटेस्ट केस पर पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान 38 साल के श्याम सिंह चौहान के तौर पर हुई है। उसे 16 अप्रैल को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चौहान ने मयूर विहार निवासी वेदांत खोदनकर पर गोलियां चलाईं, जिसने आरोपी के घर के सामने कार पार्क की थी। जब चौहान वहां पहुंचा तब वेदांत बैडमिंटन खेलने के लिए पड़ोस में गया हुआ था। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि जह वह वापस लौटा तो देखा कि एक कार उनकी गाड़ी के नजदीक पार्क है, जिससे उनकी एग्जिट ब्लॉक हो गई है। वेदांत ने चौहान से अपनी कार हटाने के लिए कहा, जिसने मना कर दिया। इस दौरान जब उसने अपनी कार में बैठने की कोशिश की तो चौहान की काली एसयूवी में डेंट लग गया। एफआईआर के अनुसार खोदनकर ने कहा, उसने मुझे गाली देना शुरू कर दिया और मैंने भी जवाब में गाली दी। हमारे बीच तीखी बहस हुई। इसके बाद चौहान गन लेकर आया, उस समय वेदांत और उसका दोस्त जाने के लिए कार में बैठे थे। वकील ने उनपर फायरिंग कर दी। वेदांत बच गया लेकिन गोली गाड़ी के रियर विंडो में लग गई। डिप्टी कमिश्नर (पूर्व) अपूर्व गुप्ता ने कहा कि शिकायत के आधार पर, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। चौहान को 16 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया गया। गुप्ता ने कहा, टीम ने उस घर पर रेड की जहां से गोली चलाई गई थी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जो गिरफ्तारी से बचने के लिए हथियार के साथ अपना घर छोड़ने की जल्दी में था। एक लाइसेंसी बंदूक, तीन जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बंदूक का लाइसेंस वैलिड है।

भाजपा अकेले जीतेगी 350 सीटें: सुरजीत भल्ला

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। 19 अप्रैल को कम मतदान ने हालांकि दलों और आयोग को चिंता में जरूर डाला है लेकिन, दूसरे चरण में तमाम दल और नेतागण बंपर वोटिंग की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस बीच शीर्ष अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने चुनाव 2024 को लेकर भाजपा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की है। उन्होंने दावा किया कि इस बार भाजपा अपने दम पर 330 से 350 सीट जीत सकती है। इतना ही नहीं तमिलनाडु जैसे स्टेट में 5 सीट ला सकती है, जहां वो बहुत कमजोर है। उन्होंने कांग्रेस को कितनी सीट मिल पाएंगी? इस पर भी अनुमान लगाया है। सुरजीत भल्ला ने हाल ही में अपनी नई किताब हाउ वी वोट का विमोचन किया, ने एक इंटरव्यू में कहा कि भाजपा को इस साल चुनाव में 330 से 350 सीटें मिल सकती हैं। भल्ला ने कहा, संभावना है कि भाजपा अपने दम पर 330 से 350 सीटें जीत सकती है। मैं यहां पर सिर्फ भाजपा की बात कर रहा हूं, इसमें उसके गठबंधन सहयोगी शामिल नहीं है। सुरजीत की भविष्यवाणी के मुताबिक, 2019 के मुकाबले भाजपा को 2024 के चुनाव में 5 से 7 फीसदी ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। चार दशकों तक भारत में चुनावों पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्री ने कहा, आमतौर पर हर चुनाव में एक लहर देखी जाती है। यह एक लहर वाला चुनाव हो भी सकता है और नहीं भी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रमुख विपक्षी कांग्रेस को 44 सीटें मिल सकती हैं। भल्ला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। यह सच है कि अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा मायने रखती है। अगर विपक्ष एक ऐसे नेता का चयन कर लेता जो जनता के बीच पीएम मोदी तुलना में आधी भी अपील करता तो मुझे लगता है कि इस बार का चुनाव रोचक और कड़ा हो सकता था।

भीषण गर्मी और लू के लिए रहें तैयार, बढ़ने वाला है मौसम का कहर

नई दिल्ली , एजेंसी।
भीषण गर्मी का कहर शुरू हो चुका है। उत्तर भारत में लू से लोगों की हालत खराब है। हवा के तेज झोंकों के बीच दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के लिए सामान्य है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ने कहा कि न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के औसत तापमान से 2 डिग्री अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी में आर्द्रता का स्तर 34 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच रहा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए दिन के दौरान तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान जताया है। आज अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। इस तरह दिल्ली के लोगों को अभी गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं।

बिहार में भीषण गर्मी, स्कूल के समय में किया गया बदलाव: बिहार के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का सितम जारी है। शनिवार को राज्य में कम से क 11 स्थानों पर पारा 42 डिग्री सेल्सियस या उसके पार पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में बिहार के कई हिस्सों में भीषण गर्मी जारी रहेगी। पटना जिला प्रशासन ने बढ़ते तापमान को देखते हुए शनिवार से विद्यालयों का समय बदल दिया है। पटना के जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक की ओर से जारी आदेश के अनुसार, राज्य राजधानी के सभी विद्यालयों का समय सुबह 6.30 बजे से पूर्वाह्न 11.30 बजे तक किए जाने का निर्देश दिया गया है। इसके तहत 20 अप्रैल से लागू यह आदेश 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा।

झारखंड के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर: झारखंड में लोगों को लू जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, राज्य सरकार ने 22 अप्रैल से अगली सूचना तक स्कूल के समय में बदलाव की घोषणा की है। शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है कि नई समयसारिणी के अनुसार किंडरगार्टन से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थी सुबह 7 बजे स्कूल आएंगे और 11.30 बजे छुट्टी होगी। कक्षा 9 से 12वीं तक के विद्यार्थी अपराह्न तक स्कूल में रहेंगे। मौसम विभाग ने पहले ही 20 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 15 जिलों के लिए लू का अलर्ट जारी कर दिया था। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में शनिवार को राज्य का अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिलों में 42.4 से 45.4 डिग्री सेल्सियस तक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

कश्मीर में भारी बारिश के बाद मौसम में थोड़ा सुधार: कश्मीर में दो दिनों से हो रही लगातार बारिश और हिमपात के बाद शनिवार को मौसम में थोड़ा सुधार हुआ। प्रदेश के कई स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार को बंद रहा।

प्रेमी की धमकी से डरा दूल्हा, बिना दुल्हन वापस लौटी बारात

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली से जेवर कस्बे में बारात लेकर पहुंचे दूल्हे को चढ़त से पहले दुल्हन के प्रेमी ने गोली मारने की धमकी दे दी। इससे दूल्हा इतना डर गया कि वह बिना दुल्हन लिए बारात लेकर वापस लौट गया। पुलिस का कहना है कि दुल्हन ने प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई करने से इनकार किया है। जेवर पुलिस के मुताबिक कस्बे में किराये पर रहने वाली विधवा महिला की बेटी की शुक्रवार को शादी थी। दिल्ली से दूल्हा बारात लेकर कस्बे में पहुंचा। बारात चढ़त की तैयारी चल रही थी। इस बीच दुल्हन का प्रेमी अपने कुछ साथियों के साथ बारातियों के बीच पहुंच गया।

आरोपी प्रेमी ने बारातियों को धमकी दी कि यदि बारात की चढ़त हुई तो दूल्हे की गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने आरोपी प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस और सामाजिक लोगों ने दुल्हन पक्ष के घर पहुंच कर दूल्हे से शादी करने के लिए कहा, लेकिन उसने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद वह बिना दुल्हन लिए बारातियों के साथ वापस अपने घर दिल्ली लौट गया।

कस्बे के एक व्यापारी नेता ने समाजसेवियों के साथ मिलकर विधवा की बेटी की शादी के लिए इंतजाम किया था। मंदिर प्रांगण में बारातियों के खाने पीने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अचानक प्रेमी की हरकत से शादी की खुशियां मातम में बदल गई। बारातियों के लिए बनाया गया खाना पास पड़ोस के लोगों को खिलवाया गया। पुलिस का दावा है कि प्रेमी की धमकी से बारात वापस नहीं लौटी है, जबकि दुल्हन ने खुद दूल्हे के साथ शादी करने से इनकार किया।

Elon Musk puts off highly anticipated India visit, cites pressing commitments at Tesla

New Delhi

Billionaire Elon Musk, the head of Tesla Inc and SpaceX, pushed back his much-anticipated visit to India, originally slated for April 21 and 22. Citing pressing commitments at Tesla, Musk reassured on social media that he intends to reschedule for later this year.

This delay throws a curveball into a highly anticipated visit that had sparked speculation about Tesla and Starlink, Musk's satellite internet venture, making inroads into the Indian market.

The trip was seen as an opportunity to clarify the companies' plans for the world's largest democracy. Some would like to know if India will become home to a multi-billion dollar Tesla factory, a potential boon for the country's burgeoning electric vehicle sector.

Discussions surrounding import duty reductions and the roadmap for selling Tesla cars in India were on the agenda.

The Indian government's recent electric vehicle policy, offering incentives for domestic manufacturing, might have provided a solution. However, with Musk's postponed visit, these discussions will have to wait.

According to the policy, the companies that would set up manufacturing facilities for EV passenger cars will be allowed to import a limited number of cars at a lower customs/import duty of 15 per cent on vehicles costing $35,000 and above for five years from the date of issuance of the approval letter by the government.

At present, cars imported as completely built units (CBUs) attract customs duty ranging from 70 per cent to 100 per cent, depending on the engine size and cost, insurance and freight (CIF) value.

CBUs, whose CIF value is more than $40,000, attract a 100 per cent import duty (for petrol engines sized more than 3,000cc and diesel engines sized more than 2,500cc).

Those with a CIF value under $40,000 attract 70 per cent duty (for petrol engines sized under 3,000cc and diesel engines sized under 2,500cc).

The EV policy seeks to promote India as a manufacturing destination for EVs and attract investment from reputed global manufacturers. Last year, Tesla approached the Indian government seeking duty cuts to import its vehicles in India.

In 2022, Musk said that Tesla, which was earlier seeking a reduction in import duties to sell its vehicles in India, would not manufacture its products unless it is allowed to first sell and service its cars in the country.

Musk's satellite internet venture, Starlink, also has its sights set on India. However, its path is clouded by regulatory hurdles, with its licence application awaiting government approval.

Starlink is a division of SpaceX, which provides high-speed internet access globally using a constellation of thousands of satellites in low-earth orbit. This service is particularly beneficial in rural and remote areas where broadband internet or fibre-based internet is not available.

Other companies such as OneWeb, backed by Airtel's Sunil Mittal, and Jio in partnership with Luxembourg-based SES have already obtained Global Mobile Personal Communication by Satellite (GMPCS) licences. However, spectrum allocation and pricing details are yet to be declared.

ट्रम्प की आपराधिक सुनवाई अदालत के बाहर आत्मदाह करने वाले अमेरिकी व्यक्ति की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
जिस अमेरिकी व्यक्ति ने शुक्रवार दोपहर उस सड़क की दूसरी तरफ खुद को आग लगा ली थी, जहां पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आपराधिक मुकदमा चल रहा था, उसकी उसी दिन मौत हो गई थी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुमनाम कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि षड्यंत्र के सिद्धांत पर यकीन करने वाले मैक्स अज़ारेलो की शुक्रवार रात न्यूयॉर्क शहर के एक अस्पताल में गंभीर जलन और अन्य घावों के कारण मृत्यु हो गई। 37 वर्षीय व्यक्ति फ्लोरिडा से आया था और लोअर मैनहट्टन में कलेक्ट पॉन्ड पार्क में आत्मदाह करने से पहले इस सप्ताह न्यूयॉर्क शहर में था।

2016 में पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त धन के भुगतान को छिपाने के लिए ट्रम्प द्वारा व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने से संबंधित आपराधिक मुकदमा इस घटना से प्रभावित नहीं हुआ। जूरी चयन शुक्रवार को समाप्त हो गया और अगले सोमवार के लिए शुरुआती बयान निर्धारित किए गए हैं। मुकदमा लगभग छह से आठ सप्ताह तक चलने की उम्मीद है।

दक्षिणी गाजा के रफा शहर में इजरायल का हमला

रफा (गाजा स्ट्रिप) , एजेंसी।
स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को कहा कि दक्षिणी गाजा शहर रफा पर रात भर इजरायली हमलों में नौ बच्चों सहित 13 लोगों की मौत हो गई।

संयुक्त राज्य अमेरिका अपने करीबी सहयोगी को अरबों डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता को मंजूरी देने की राह पर था।

इजरायल ने रफा पर लगभग दैनिक हवाई हमले किए हैं और अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने के आह्वान के बावजूद मिस्र की सीमा पर स्थित शहर में अपने जमीनी हमले का विस्तार करने की भी कसम खाई है।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने शनिवार को 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज को मंजूरी दी, जिसमें गाजा के लिए 9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता शामिल है।

पास के कुवैती अस्पताल के अनुसार, पहले हमले में एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और उनके 3 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल ने बताया कि महिला गर्भवती थी। डॉक्टरों ने बच्चे को बचा लिया। अस्पताल के

रिकॉर्ड के अनुसार, दूसरे हमले में एक ही परिवार के आठ बच्चों और दो महिलाओं की मौत हो गई। एक रात पहले रफा में हवाई हमले में छह बच्चों सहित नौ लोग मारे गए।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध में 34,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं, गाजा के दो सबसे बड़े शहर तबाह हो गए हैं और पूरे क्षेत्र में विनाश हुआ है। लगभग 80 प्रतिशत आबादी अपने घरों से भागकर घिरे तटीय क्षेत्र के अन्य हिस्सों में चली गई है, जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यह अकाल के कगार पर है। सात महीने से जारी संघर्ष ने क्षेत्रीय अशांति को जन्म दिया है, जिससे इजरायल और अमेरिका पूरे मध्य पूर्व में ईरान और संबद्ध आतंकवादी समूहों के खिलाफ खड़े हो गए हैं।

पाकिस्तान की संसद से सांसदों और पत्रकारों के जूते चोरी

परिसर की मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे, रक्षा मंत्री बोले- भिखारी माफिया का काम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की संसद में शुक्रवार को सांसदों और पत्रकारों के जूते चोरी हो गए। पाकिस्तानी मीडिया द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक सांसद, पत्रकार और संसद का स्टाफ परिसर में मौजूद मस्जिद में जुमे की नमाज के लिए गया था।

जब लोग मस्जिद से बाहर आए तो उनके जूते चोरी हो चुके थे। चोर 20 जोड़ी जूते साथ ले गए। इसके बाद सांसद नंगे पैर ही संसद लौटे। नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि नमाज के वक्त संसद में मौजूद सुरक्षा अधिकारी अपनी पोजिशन पर तैनात नहीं थे। स्पीकर के आदेश के बाद जॉइंट सेक्रेटरी और सीनियर पुलिस अफसरों मामले की जांच करेंगे। सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस चोरी के पीछे भिखारी माफियाओं का हाथ होने की आशंका जताई है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, पाकिस्तान में भिखारियों की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। इनके खिलाफ जागरूकता के लिए अभियान भी चलाया गया है, जिसमें बड़े क्रिकेटर्स भी हिस्सा ले रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि किसी शहर में भिखारी दिखते ही इसकी सूचना पुलिस को दी जाती है। पाकिस्तान में भीख मांगना एक बड़ा बिजनेस बन चुका है। करीब 10

प्रतिशत आबादी इस धंधे से जुड़ी है। हम बड़ी संख्या में भिखारियों को एक्सपोर्ट भी करते हैं।

इससे पहले ईद के मौके पर पाकिस्तान के लाखों भिखारी कराची पहुंच गए थे। शहर की सड़कों, बाजारों और मॉल तक में भिखारी दिखाई दे रहे थे। कराची के एआइजी याकूब मिन्हास ने बताया था कि ये भिखारी सिंध और बलूचिस्तान प्रांत से आए थे। इनहें पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के बीच देश की आर्थिक हालात खराब हो चुकी। यहां महंगाई दर में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पाकिस्तान की जनता भुखमरी और बेरोजगारी से परेशान है। देश में रोजमर्रा की जरूरत के सामान की कीमतें आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार इस समय 8 बिलियन डॉलर है, जो करीब डेढ़ महीने तक के सामानों के आयात जितना है। देश के पास कम से कम 3 महीने के सामान के आयात जितना पैसा होना चाहिए। 2024 में पाकिस्तान की तष्ठक्क महज 2.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। फिलहाल एक डॉलर की कीमत 276 पाकिस्तानी रुपए के बराबर है।

अमेरिका में टिकटॉक पर लग सकता है प्रतिबंध, संसद के निचले सदन में विधेयक को मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने शनिवार को एक विधेयक को मंजूरी दी। इसमें प्रावधान है कि अगर चीनी नागरिक के स्वामित्व वाले लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक अपने अमेरिकी कारोबार को नहीं बेचता तो उस पर देश में प्रतिबंध लगाया जा सकता है। यह विधेयक डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों दलों के भारी समर्थन से सदन में पारित हुआ। दोनों दलों ने एप के मालिक चीनी प्रौद्योगिकी फर्म बाइटांस लिमिटेड के संदर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। इसमें संशोधित प्रावधानों को अब मंजूरी के लिए उच्च सदन सीनेट भेजा जाएगा। हालांकि, अगर कानून भी बन जाता है, तो भी कंपनी के पास खरीदार ढूंढने के लिए एक साल तक का समय होगा और वह संभवतः अदालत में संबंधित कानून को इस तर्क के साथ चुनौती दे सकती है कि यह एप के लाखों यूजर्स को उनके पहले संशोधन अधिकारों से वंचित कर देगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।